

HRA Fin Isya The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]

मई बिल्ली, शनिबार, जनवरी 18, 1975 (पौव 28, 1896)

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18, 1975 (PAUSA 28, 1896)

इस माग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च ग्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा अप्योग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलक्ष्म और अधीम कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लेकि सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, विनांक 4 विसम्बर 1974

दिनांक 13 दिसम्बर, 1974

स० ए० 32014/1/74-प्र०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रिधिस्चना दिनांक 21 प्रक्तूबर, 1974 के प्रनुक्रम में संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री बी० ग्रार० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 22-10-74 से 3-12-74 तक की प्रतिरिक्त ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-III संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एस० पी० माथुर को राष्ट्रपति द्वारा 12-11-74 से 20-12-74 तक 39 दिन की प्रविध के लिए भयवा भागामी प्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के भनुभाग प्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-III—संघ लोक सेवा ग्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री ग्रार० के० मागो को राष्ट्रपति द्वारा इस सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में 14-10-74 से 30-11-74 तक 48 दिन की श्रवधि के लिए या ग्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-III--इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना [दिनांक 21 प्रक्तूबर, 1974 के ध्रनुक्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री के०एल० कटयाल को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-74 से 11-11-74 (पूर्वाह्न) तक की ग्रातिरिक्त ग्रवधि के लिए उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74—प्र०—III— संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपित द्वारा 8-7-74 से 26-12-74 तक की श्रविध के लिए श्रथवा श्रागामी ग्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं 32014/1/74-प्र०-III--इस कार्यालय की क संख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 26 प्रगस्स, 1974 के कम लोक सेवा श्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के र

416 GI/74

श्री एम० एन० संगमेश्वरन को राष्ट्रभित द्वारा इस लेका के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में 27 सितम्बर 1974 से 26 दिसम्बर, 1974 तक तीन मास की ध्रमली श्रविध के लिए या धागामी ध्रादेशों तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से वार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-III--इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 28 प्रगस्त, 1974 के कम में संघ लोक सेवा श्रायोग के केन्द्रीय सनिवालय मेथा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री धनीश चन्द्र को राष्ट्रपति द्वारा इस सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में 3 श्रक्तूबर, 1974 से 26 दिसम्बर, 1974 तक की श्रगली श्रवधि के लिए या श्रागमी श्रादेशों तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 28-5-74 के प्रनुक्रम में संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वा के स्थाई सहायक श्री बी०बी० दास शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 23-6-74 से 28-2-75 तक की प्रतिरिक्त श्रवधि के लिए प्रथवा श्रागमी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-III--इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 21 श्रक्तूबर, 1974 के श्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री बी० टी० खूबचन्दानी को राष्ट्रपति द्वारा 27-10-74 से 28-2-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-III-प्र०-संघ लोक सेवा ध्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री श्रार० एल० मदान को राष्ट्रपति द्वारा इस सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में 14-10-74 से 30-11-74 तक 48 दिन की श्रविध के लिए या श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 दिसम्बर, 1974

सं० ए० 32014/1/74-प्र०-I--संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड II) श्री पी० पी० सिक्का को राष्ट्रपति द्वारा 13-12-74 (अपराह्म) से 28-2-1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए श्रथवा नियमित प्रवध किए जाने तक, जो ी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णत: श्रस्थाई ग्रीर तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड I) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

2. श्री पी० पी० सिक्का यह श्रवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड 1) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णत: अस्थायी और तदर्थ आधार पर है तथा के० स० स्टे० से० के ग्रेड I में समाहृत किए जाने का ग्रथका उसी ग्रेड में वरिष्ठता के लिए उनका कोई दावा नहीं होगा।

> पी० एन० मुखर्जी अवर स<mark>चित्र,</mark> प्रशासन प्रभारी

नई दिल्ली-110011, दिनाक 20 दिसम्बर, 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्र०-I--संघ लोक सेवा श्रायोग में कार्यरत श्रवर सचिव भारतीय राजस्व सेवा के श्रिधिकारी श्री ए० एन० सिन्हा, को संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 18-11-74 से 28-2-75 तक उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

पी'० एन० मुखर्जी, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1974

सं० पी०/1822-प्र०-I--राष्ट्रीय डेरी श्रनुसंधान संस्थान करनाल, के सह-श्राचार्य (जीव भौतिकी) डा॰ डी॰ एन॰ प्रसाद को 3 दिसम्बर, 1974 के श्रपराह्म से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय`में श्रवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

> पी० एन० मुखर्जी, भ्रवर सचिव कृते अध्यक्ष

गृह मंत्रालय महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110003, दिनांक 18 दिसम्बर, 1974 सं ई र 16016/2/74-प्र०-I-प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-तिरत होने पर, वित्त मंत्रालय (स्थय विभाग), रक्षा प्रभाग, नई दिल्ली, के श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक, ने दिनांक 30 नवम्बर, 1974 के श्रपराह्म से केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली के श्रनुभाग श्रिष्ठकारी पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ई०-32015(1)/8/74-प्र०-I--राष्ट्रपति, पुन-नियुक्ति पर, ले० कर्नल टी० के० जार्ज को, श्री सी० पी० रामा-कृष्णन् के स्थान पर, दिनांक 18 नवम्बर, 1974 के श्रपराह्म से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल की 10वीं बटालियन का कमांडेंट नियुक्त करते हैं। उनका मुख्या-लय विशाखापट्टनम् में होगा। एम० ए० पी० पी० कलपक्कम को स्थानान्तरित होने पर, श्री सी० पी० रामाकृष्णन् ने उसी दिनांक के श्रपराह्म से, उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस फोर्स महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 दिसम्बर, 1974

सं० एफ० 4-2/73-स्था० (सी० ब्रार० पी० एफ०)— राष्ट्रपति निम्नलिखित उपपुलिस ब्रधीक्षकों/कम्पनी कमान्डर क्याटर मास्टरको उनकी तदर्थ पदोक्षति के फलस्वरूप ब्रागामी ब्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में सहायक कमांडेंट के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

सन अधिकारियों के पदस्थान	स्थान, भ्रौर उनके पर	र को क्रेने तथा ग्रहण क	रने की तिथियां उनके	नामों के सामने दी गई हैं।

सं० नाम	पद श्रीर बटालियन जि कार्यभार छोडा	ासका	पद छोड़ने की निथि	पद ग्रोर बटालियन जिसका कार्यभार संभाला	पद ग्रहण करनेकी तिथि
1. श्री तिलक राज	उप-पुलिस भ्राधीक्षक बीन०	14	5-11-74 (श्रपराह्म)	सहायक कमांडेट ग्रुप सेंटर, नीमच	15-11-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री वी० पी० सरीन	उप-पुलिस ग्न धीक्षक बीन०	54	22-10-74 (भ्रपराह्म)	सहायक कमांडेंट ,28 बीन०	27-10-74 (पूर्वाह्म)
3. श्री प्रशोत्तम कुमार	उप-पुलिस ग्रधीक्षक बीन०	50	12-11-74 (अपराह्न)	महायक कमाढेंट, 25 बीन०	16-11-74 (पूर्वाह्न)
4. श्रीएन० के० बीज	उप-पुलिस स्रधीक्षक त्रीन०	21	8−11−74 (ग्रपराह्न)	महायज्ञ कमांडेट, 34 बीन	10-11-74 (अपरा ल)

एस० एन० माथुर, सहायक निदेशक (प्र०)

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 21 दिसम्बर, 1974

सं० सी० (9)/ए० ध्रि०/ ए०-II--भारत सरकार मुझ-णालय, फरीदाबाद श्री चड़ी प्रसाद, सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से 31-12-74श्रपराह्म से निवृत्त होगे।

सं० बी० (18) ए०-II--भारत सरकार मृद्रणालय, रिगरोड़ नई दिल्ली के सहायक प्रबंधक (तकनीकी) श्री बलदेव सिंह सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से 31-12-74 के श्रपराह्न से निवृत्त होंगे।

> राजकुमार निब, उपनिदेशक (प्र०)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय जम्मू व कश्मीर श्रीनगर, दिनांक 1974

म० — महालेखाकार जम्मू व कश्भीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री इारिका नाथ पण्डित को 23 दिसम्बर, 1974 के अपराह्म से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> भंगवान णरण तायल, वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रणासन तथा अधिकरण

रक्षालेखा विभाग

कार्यात्रय रक्षालेखा महानियत्नक

नई दिल्ली-22, दिनाक 26 दिसम्बर, 1974

स० 2863/प्रणा०-II-58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० जी० कामथ, रक्षा लेखा महा नियंत्रक को, 20 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से 40 दिन की मेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी की समाप्ति पर 28 फरवरी, 1975 के श्रपराह्न से पेणन स्थापना को श्रन्तरित किया जाएगा।

दिनांक 28 दिसम्बर, 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ए०-बार्धक्य निवर्तन की भ्रायुप्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेशन स्थापना को अपनित्त किया जाएगा।

ऋ० र्स०	नाम रजिस्टर सं० सहित	ग्रेड	तारीख जब से पेशन स्थापना को अन्तरित किया	सगठन	
	सर्वश्री				
1. Ų	स० के० बैनर्जी (पी/117)	स्थाई लेखा ग्रधिकारी	28-2-1975 (भ्रपरा ह्न)	रक्षा लेखा	नियंत्रक,
				(फैक्ट्रीज)	कलकत्ता≀
2. Ų	स० रांगेचारी (पी/305)	स्थाई लेखा श्रधिकारी	28-2-1975 (अपराह्न) .	रक्षा लेखा	नियंत्रक,
			•	(भ्रन्य रैक) दक्षि	क्षण मद्रास
3 . सि	ा ब्रेग्व र नांदी (श्रो/13)	स्थानापम्न लेखा ग्रधि-	2 8— 2—19 7 5 (ग्रपराह्न)	रक्षा लेखा	नियंत्रक,
	, , ,	कारी	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	(फैक्ट्रीज)	कलकर्ता
4. सी	ि ए० श्रद्राहम (श्रो०/170)	स्थानापन्न लेखा ग्रधि-	28-2-1975 (भ्रपराह्न)	रक्षा लेखा	नियंत्रक,
		कारी	(, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	(भ्रन्य रैंक) दक्षि	•
5. 03	स०पी० शर्मा (स्रो/३७३)	स्थानापन्न लेखा ग्रधि-	31-3-1975 (ग्रपराह्न)	रक्षा लेखा	 नियंत्नक,
U , (कारी		मध्य कमान,	मेरट

एस० के० सुन्दरम्, रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण) का कार्मालय श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० श्रार 0/ए० पी-1412/74-75---यत: मझे बी० प्रार० सागर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1243, श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो वालसा चंदर, श्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रमुतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 1974, मप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम रजिस्दीकृत विलेख के के दश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मुन्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही मुख्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वात्:—

- तेजा सिंह पुत्र रतन सिंह वासी बल सखंदर त० अमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मती पूर्ण कौर पुत्र मंगल सिंह वासी वाल सचंदर त० श्रम्तसर। (श्रम्सरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वी रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सभ्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृष्टारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचिस किया जाता है कि हर ऐसे त्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1243 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रम्तरसर।

नारीख: 28-11-1974

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० —— भागकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ग्रम्तसर/पठानकोट/ए० पी०-1466/74-75---यतः, मुझे, वी० प्रार० सागर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं अम्पत्ति जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख नं 20, भाप्रैल 1974 को लिखा है, जो ढांग रोड, पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, अप्रैल को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम **के दृश्य**मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ौर ग्रन्तारती (ग्रन्तरितियों) के ीच तथ पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने के लिए मुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने के लिए सुकर बनाना:

श्रीर यतः श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टयाय 20-क के जब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

 वक्शी गुलाम दीन पुत्र अजमल गफर दीन, महमूदा वक्शी पत्नी मोहम्मद यूसूफबक्शी, गुलामहसन बक्शी पुत्र हाजी गुलाम नबी हाजी नूर-उद-दीन पुत अब्दुल गनी, अब्दुल अजीज पुत हबीवजल्ला अब्दुल गनी पुत्र हाजी नूर दीन, गुलाम मोहम्मद एण्ड मोहम्मद शफी पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला गुलाम रसूल पुत्र गुलाम नवी, मोहम्मद सईव पुत्र मैरीजलदीन मार्फत मोहम्मद यूसूफ पुत्र हाजी नूर दीन मार्फत रीगल सिनेमा, श्रीनगर। (अन्तरक)

- 2 श्री हरी किशन पुत्र रोशन लाल मार्फत मैसर्ज तारा चन्द भाटिया एण्ड सन्जा, कटरा करम सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजेन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से से 45 दिन की अवधि, या तत्ससबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के जतर में किए गये श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों के सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यायः 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजिष्ट्रीकृत विलेख नं 20, अप्रैल 1974 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28-11-74

प्रकप आई० टी० एन० एस०——— आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कार्याक्षय

श्रमृतसर, तारीख 28-11-1974

निदेश सं० ए एस भ्रार/ बी टी डी/ए पी-1452/ 74-75-यतः मझे बी० धार० सागर सहायक घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर सिकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 376 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो परगुराम नगर भाडिटा में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन 1974 ऋप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृख्य सेकम के दक्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्षिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही की शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित, किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की जवजारा (1) के अधीन निम्निविधत व्यक्तियों, अर्थातः— मदन लाल शर्मा मार्फत एवरेस्ट फारमेसुटीकल परशुराम नगर, भटिडा। (श्रन्तरक)

गुरदेव सिंह मार्फत एवरेस्ट फारमेसुटीकर परशुराम नगर, भटिंडा। (स्रन्तिरती)

जैसा कि नं 2 ० पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग म अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हैं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 376 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख:-- 28-11-1974

मोहर:---

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज अमृतमर

अमृतसर तारीख 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए एस श्रार/ बी० टी० डी/ ए पी-1453/74-75 यत: मुझे वी० श्रार० सागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रौर जिसकी मं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्दीकृत विलेख नं० 375 श्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो परश्राम नगर, भाटिडा में स्थित है और इससे उपायद्र भ्रनुमूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भाटिडा मे भारतीय रजिस्द्रीकरण **प्रधि**नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, श्रप्रैल को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिल व्यक्तिमों, अर्थातः—

मदन लाल शर्मा माफत एवरैस्ट फारमेसुयूटीकल, परशुराम नगर, भाटिष्ठा। (अन्तरक)

2. श्रीमती राजिदंर कौर मार्फत एवेरेस्ट फारमेसुटीकल परणु-राम नगर, भाटिडा। (श्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (पह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपति में दितवब है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याव 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 375 श्रप्रैल 19 74 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भाटिंडा में लिखा है।

> वी० म्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख:--- 28-11-1974

मोहरः⊸--

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर तारीख 28-11-1974 हैं

् निदेश सं० ए एस ग्रार/ जुलाई/ ए पी 1406/74-75 यतः मुझे वी० श्रार०-सागर

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 754 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो दान मंडी जालंधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्र भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 ग्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे मन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिनिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत: श्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं। श्रत: श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

मोहिन्दर पाल ऐलियास जनेन्द्र पाल जैन पुत्र रेखध दास पुन्न लम्भु राम वासी 19-डी किदार विलिंडेंग सब्जी मंडी, तेहली धार-सेल्फ एण्ड जी ऐ (i) श्रीमती लक्ष्मी देवी विधवा रेखब दास (ii) यास (iii) लप्थमी देवी, प्रभातीं देवी ऐलियास प्रभा देवी पुत्रीयां रेखण दास (iv) तिलोक चंद ऐण्ड लैपट प्रशसद पुत्र रेखव दास। कैलाश वती तेवा चंद पुत्र चंरजी राम वासी ई० जे० 241 चार बाग्र, जालधर। (श्रन्तरिती)

जैसा कि न० 2 पर है।

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूची रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रध्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 754 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख:---28-11-74 मो हर:---

प्ररूप आई० टी० एन० एस ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमृतमर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०म्रार/शाहकोट/ए० पी०-1380/74-75---यत:, मुझे बी० म्रार० मागर

श्रायकर ग्रिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 118 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो णाहकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कायिलय शाहकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्वम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जनत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना!

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियो. अथित:—— 2-416GI/74

- 1. श्री नरेन्द्र पाल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह पुत्र करतार सिंह वासी शाहकोट। (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स सनलज राईस एण्ड जनरल मिल्ज मार्फत श्री केवल कृष्ण मैंसर्ज बिहारी लाल केवल कृष्ण जैन, शाहकोट। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैमा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 118 अर्प्रल 1974 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, शाहकोट में लिखा है।

> वी० स्नार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमतनप

दिनाक: 28-11-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्राय्क्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज, श्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस० ग्रार०/जालन्धर/ए० पी-1381/74-75---यत:, मुझे बी० ग्रार० सागर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्नीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1029 श्रप्रैल 1974 को लिखा है, जो लिंकरोड़ नकोदर रोड़, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पुर्वेक्स को 1974, उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत , अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम

- 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात: —
- श्री लाजपत राय पुत्र पुत्रो लाल पुत्र गुरदित्ता मल काल राम पुत्र श्राणा नंद पुत्र बुड्ग मल किणन सिह पुत्र विजय सिह, जालंघर। (श्रन्तरक)
- 2. सुरिन्द्र कुमार पुत्र राम प्रशाद पुत्र राम सरन दास. जालंधर शहर। (ग्रन्तरिती)
 - 3. **जैसा कि** नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए के एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1029 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

> ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०श्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1382/74-75---यतः, मुझे बी० श्रार० सागर

श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती का दुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 639, श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो दादा कालोनी, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन कर देने के भ्रन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथायाकिया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, श्रव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, ग्रथितः —

- 1. श्री धर्म पाल वादा पुत्र दिवान चन्द दादा, टाडा रोड़, जालंधर जी० ए० पियारा लाल सतपाल पुत्र श्री दिवान चन्द मार्फत धर्म पाल दादा। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विद्या वती पत्नी चृत्नी लाल, विमला रानी पत्नी वलराम मार्फत मैंससं प्रकाण रबड़ इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर । (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- श्र कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्रांक्षेप, यदि काई हा, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भ्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा। स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त णब्दों और पवों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 639 स्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

दिनाक: 28-11-1974

प्रारुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्वेश सं० ए०एस०म्रार/जालन्धर/ए० पी-1383/74-75— यत:, मुझे बी० म्रार० सागर,

अधिनियम, 1961 (1961 町 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य _ 25,000/- रुपये से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 496 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो बस्ती बावा वेल, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्नैल को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-त्राही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. करतार सिंह उपल पुत्र जीवन सिंह पुत्र संत सिंह निवासी बस्ती बावा वेल, जालन्धर (श्रन्तरक)

[PART III-SEC. 1

- 2. दयाल सिंह पुत्र उजागर मिंह पुत्र दिता निवासी गांव नागरा, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई न्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह ज्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो यिष कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अभ्रिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसंस्रो

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 496 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 28-11-1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 28 नवम्बर 1974

निर्देण मं० म्रमृतसर/जालंधर/ए० पी०-1384/74-75— यत:, मुझे, बी० फ्रार० सागर

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजम्ट्रीकृत विलेख मं० 54 श्रप्रैल 1971 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालधर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरितकी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री सरवारी लाल पूरी पुत्र पडी दास पुत्र माया मल, ग्रीन पार्क कालोनी, जालंधर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मदन लाल, कस्तूरी लाल पुत्र किशन चन्द छावडा वासी मडी रोड, जालंधर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 54 अप्रैल 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

> वी० स्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, स्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 28 नवम्बर 1974

नियंग स**० ए०एस०आर०/ब**टाला/ए० पी०-1385/74-75---यत:, मुझे, बी**० श्रार०** सागर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है. ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 472, अप्रैल 1974 में लिखा है, जो बटाला पश्चिम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 1974 मर्प्रल को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गय हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री इकबाल चन्द पुत्र खुशाल चन्द वासी बाऊली इन्द्रजीत, बटाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण लाल पुत्र हवेली राम वासी बटाला मारफत मैंसर्ज शाईनिंग स्टार फौन्डरी, जी० टी० रोड, बटाला। दलीप सिंह पुत्र भगत सिंह मारफत शाईनिंग स्टार फौन्डरी, बटाला। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबन्न है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वधर्नी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 472, श्रप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बटाला में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर **अधिमियम**, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भ्रमृतसर कार्यालय

निर्देश सं० अमृतसर/नवांशहर/ए० पी०-1387/74-75--यत:, मुझे, बी० श्रार० सागर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती का ट्रकड़ा जेसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 151 प्रप्रैल 1974 लिखा है, जो नवांशहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 अप्रैल

को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अम्तरण से हुई फिसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनामा।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. दी सक्ष्मुज लैंड फाइनेंस (प्रा०) लिमिटेड जालंधर (मार्फत श्री अमर नाथ गौतम) (अन्तरक)
- 2 श्री बावा सिंह पुत्र हुक्म सिंह, संतोख सिंह मक्खन सिंह, नछतर सिंह पुत्र बावा सिंह वासी रायपुर दाबा (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवार्ड के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्भारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अयक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 151 भ्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

> वी० आर० सागर स**क्षम प्राधिका**री महायक श्रायकर **श्रायुक्त (निरीक्षण**) श्र**र्जन रेंज, श्रमृतस**र

तारीख : 28 नवम्बर 1974

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के न्नधीन सूचना

भारत संस्कार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजंन रेंज. ग्रमृतसर कायॉलय

ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश स० श्रमृतसर/जालंधर/ए० पी०-1386/74-75--यत , मुझे वी० ग्रार० सागर श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भ्रौंर जिसकी सं० धरती जैंस कि रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 748 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो चक हुसैन रामा पिड में स्नि है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 प्रप्रील को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 क 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मालिखित व्यक्तियो अर्थात :---

- 1. श्री दरशन लाल पुत्र वलैती राम कपूरवला लाल चन्य पुत्र पूरण चन्द मोहला चरन जीत पूरा जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिमला देवी खना पत्नी श्री स्रोम प्रकाश खन्ना पुत्र श्रतरू, मोहत्ला सुयार नगर , जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (बह ब्यवित जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबङ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए एतदृहारा कार्यवाहिया गुरू करता ह।

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति जिस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदक्षारा ग्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीम सूचना दी गई है, ग्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पद्यों का, जो भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रथे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7498 म्रप्रैंल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती म्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० स्नार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ता**रीख** 28 नवम्बर 1974 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मवस्त्रर 1974

निर्देश सं० ए०एम०भ्रार०/नवांशहर/ए०पी०-1388/74-75-यतः मुझे बी० आर० सागर, श्रायकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2.69-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- **र**पये से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 226 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो खतकड़ कलां में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और यह कि अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

जत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 उजागर सिंह पुद्र राम चन्द वासी खतकड कला। (प्रन्तरक) 2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र गंडा सिंह परमजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह बामी थोडीयां। (श्रन्तरिनी)

जैसा कि न० ८ पर है। । यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षणी जानना है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनदद्वारा कार्यवाहियाँ शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो. तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 226 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी, नवांगहर में लिखा है।

> वी० ग्रार० मागर, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

दिनांक: 28-11-1974

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवग्बर 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर० -5/जालन्धर/ग्रप्रेल 1389/

74-75-- यत :, मुझे, बी० श्रार० सागर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धारा 269-ख विश्वास करने का कारण है कि ग्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000 हप**ये** से अधिक है ग्रीर जिनको सं० धरती का दुकड़ा जैता कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 747 श्रप्रेल 1974 लिखा है, जो ऊद्यम सिंह नगर जॉलंधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ग्राजार मृल्य 1974, श्रप्रैल को के दश्यमान प्रतिफल रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है। कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिगात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात:—

 केवल दास पुत्र ग्रत्तर सिंह मार्फत मैंसर्ज ग्रत्तर सिंह बोध राज. सब्जी मंडी, जालंधर। (श्रन्तरक)

- 2. ग्रमर नाथ श्राहूजा पुत्र साहिब दित्ता श्राहूजा 112 लाजपत राय नगर, जालंधर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि मं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिससे अजिभोग में अजीहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मिल के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्मिल के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वयतीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

⊹श्रनुसूची

प्लाट नं० 32 ऊधम सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 747 भ्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अभृतसर

दिनांक: 28-11-1974

कार्यालय, सहायक धार्यकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निवेश सं० ग्रमृतसर/जालंधर/ए० पी-1392/74-75---यतः, मुझे, वी० ग्रार० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी संव धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजर्ट्र कृत विलेख नं० 706 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो वस्ती गेख, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ध्रमुसार ध्रन्तरित की गई है ध्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत श्रधिक है ध्रीर यह कि ध्रन्तरक (ध्रन्तरको) ध्रीर ध्रन्तरिती (ध्रन्तिरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे ध्रन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकःर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखिल किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री चरण दास पुत्र लद्धा राम, 110, चौक सोधा, जालंधर (ছःहरक)
- 2. श्री चिना राम पुत्र जवाला दास (स्यू सिनेमा के पीछे) वस्ती शेख, जावंधर । (१६९० ति)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिचिन्छता हो (यह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्श्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पन्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्ढारा आगे यह अधिसृचित किया जाता है वि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त गब्धो और पदो का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीफ़ृत वि लेख नं० 706 ग्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीफर्ता ग्राधकारी, जालंधर में लिखा है।

> वीं० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसप

तारीख: 28 नवम्बर 1974

मोहर 🕆

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज. ग्रमृतसर, कार्यालय

श्रमुससर, दिनांक 28 नवस्वर 1974

निर्देग म० ग्रम्तसर/जालंधर/ए० पी०-1393/74-75--यत:, मुझे, बी० भ्रार० सागर आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 112 अप्रैल 1974 लिखा है, जो गांव बडाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्द्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, प्रप्रैल के उचित सम्प**त्ति** पृथांक्त मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् :---

- 1. श्री दिलबाग सिंह पुत्र ऊधम सिंह जी० एँ० फार श्रीमती कमलजीत कौर पुत्री दिलवाग सिंह, ग्रमरजीत कौर पुत्री दिलवाग सिंह भ्रौर श्रीमती परमजीत कौर पुत्री दिलबाग सिंह 300-एल० माडल टाऊन, जालंधर (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज एस० आई० बिरिक्स एण्ड विरुडरेख (प्रा०) लिमिटेड चौक दीपक सिनेमा, लुधियाना, मार्फत शाम सिंह, मैनेजिंग डायरैक्टर ग्रीर इन्द्रजीत सिंह गुजराल, डायरैक्टर। (श्रम्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे हिच रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्षिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरणः इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 112 भर्पेल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० आर० सागर ्सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीखा : 28 नवम्बर 1974

मास्र

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन धूचना

भारत सरकार

महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रामृतसर, कार्यालय भ्रमृतसर, विनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालंघर/ए० पी०-1396/74-75—
यत:, मुझे वी० श्रार० सागर सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) आयकर श्रिष्ठनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 126 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो जालंधर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिष्ठ है),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
1974, अप्रैल

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजरट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे अचने के शिए सुकर बमाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही भुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-गं के अमुसरण में, मैं, आयक्तर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री वलचरण सिंह पुत्र ज्ञान सिंह ग्रादि, जालंधर एण्ड जी० ए० फार अलसरन सिंह, मोहिंदर सिंह ब्रदर्भ (ग्रन्तरक)
 - 2. श्रीमती कमला देवी पत्नी मधन लाल जालंधर (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (धह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एसव्-ढ़ारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं सिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुमवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आओपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकार अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्री छुत विलेख न० 126 अप्रैल 1974 को रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीखा : 28 नवम्बर 1974

मोहर

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 नवस्वर 1974

निर्देश सं० श्रमृतसर/जालंधर/ए० पी०-1397/74-75—
यतः, मुझे, वी० श्रार० सागर आयकर श्रष्टिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ६० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 156
ग्रप्रैल 1974 लिखा है, जो इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर मे स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय
रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन
1974, श्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार धन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरंक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर यनाना, और/या,
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर खनाना;

और यक्त: भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा मिलिखित किए गए हैं।

श्रतः भव, धारा 269-घ के भनुसरण में, मैं भायकर भिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के भौधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातुः—

- श्री नरंजन दास पुत्र श्री राम मार्फत एन० एच० स्टील एण्ड मैटल वर्क्स, प्रीत नगर, जालंधर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मंगल देव पुत्र मोहन लाल मार्फत न्यू मैटल वर्क्स एस०-19 इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, जालंधर (अन्तरिती)
- 3 जैंसा कि नं० 2 पर है (वह ध्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एसवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्बारा भागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, भाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 156 स्रप्रैल 1974 को राजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> नी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रामृतसर

तारीख: 28 नवम्बरं 1974

मोहर .

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवस्वर 1974

निर्देश नं अमृतसर/जालंधर/ए०पी०-1398/74-75---यत:, मुझे, बी० म्नार० सागर श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मृत्य 25,000/-र० से श्रधिक है वाजार श्रोर जिसकी सं० सम्पत्ति औसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 157 ग्रप्रैल 1974 लिखा है, जो इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, जालंधर मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनसुची में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, भन्नैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने के लिए सुकर बनाना शीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रौर यत: ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: ग्रज, धारा 269-घ के श्रनुसरण में, मै, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपभारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों श्रधीत:---

- i श्री हरवंस लाल पुत्र श्री राम मार्पत एन० एच० स्टील एण्ड मैटल वर्क्स, प्रीत नगर, जालंधर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जोगिन्द्र नाथ पुत्र श्री मोहन लाल मार्फत न्यू मैटल वर्क्स, एस०-19, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, जालधर (श्रन्धरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में अप्रोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रम्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा द्यागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, प्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 157 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, जालंधर से लिखा है।

> वी० म्रार० मागर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर 1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमुतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1399/74-75---यत :, मुझे बी० श्रार० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार रुपये से 25000/-अधिक मृख्य जिसकी सं० जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 168, प्राप्रैल 1974 लिखा है, जो गांव रेस तहसील जालम्बर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्टीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की **गई है औ**र मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्या अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देमें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपश्वारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. लजयावती विधवा राम नारायण पुत्र धर्म धन्द ई० एफ०-19 वासी मंडी फैन्टन गंज. जालंग्रर । (ग्रन्तरक)
- 2. दीदार सिंह पुत्र हरी सिंह पुत्र प्रेम सिंह वासी गांव हरसी पिंड तहसील दसुत्रा, जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 168, अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, श्रमृतसर।

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ममृतसर का कार्यालय विनांक 28 नवम्बर 1974

निवेश सं० ए० एस०ग्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1400/74-75---यतः मुझे वी० श्रार० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/-अधिक बाजार म्रूव रुपये श्रीर जिसकी सं ० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 324 श्रश्रैल 1974 लिखा है, जो लिवरां, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायब प्रनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 1974, मप्रैल

1908 (1908 का 16) के प्रधान 1974, प्रप्रेल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण कि खित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

औरयतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:— 4—416 GI/74

- 1. श्री प्रर्जन सिंह पुत्र चंदा सिंह पुत्र हाकम सिंह वासी गांव लिदंरा तहसील जालंधर। (ग्रन्तरक)
- 2. राजकुमारी थम्मन पत्नी हंस राज थम्मन, 323, लाजपत नगर, जालंधर। (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, शो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यंथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 324 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> बी० स्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज समृतसर।

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं॰ ए०एस०श्रार०/जालन्धर/ए०पी-1401/74-75— यनः, मुझे बी० श्रार० सागर

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

और जिसकी सं ० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 378, अप्रैल 1974 लिखा है, जो जालंधर (इण्डस्ट्रीयल ऐरिया) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्तिया, 1908 (1908 का 16) के स्थीन 1974 सार्वेट

नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत ग्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

ग्रीर यत: ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के णब्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए हैं।

अतः अब धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिध-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- 1. श्रीमती श्रीलावती पत्नी श्री मंगल सिंह पुत्र नन्था राम, डब्ल्यू० बी० ७ मोहल्ला खजूरा, जालधर। (ग्रन्तरक)
- 2. तारा सिह पुत्न जवाहर सिंह पुत्न जेटा सिंह, एन० बी० 291, लक्ष्मीपुरा, जालंघर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहरूताक्षरी जानता है)
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पित में रूचि रखता हो।
 (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पित में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के प्रति म्राक्षेप यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के श्रित इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह प्रधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे श्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दियागया है।

अनु सूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 378, श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी, जालन्धर में लिखा है।

> बी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर।

दिनांक : 28-11-1974

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए०एस०श्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1402/74-75---यत:, मझे वी० ग्रार० सागर, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 415, अप्रैल 1974 लिखा है, जो खुरला किगरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, अप्रैल की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

भीर पत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

श्रत : अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- जगजीत सिंह पुत्र ग० राला सिंह पुत्र वमावा सिंह गांव जंडु सिंह तहसील जालंधर।
 (ग्रन्तरक)
- 2. रामेश्वर सिंह पुत्र डा० कर्म सिंह पुत्र राजा मिह वासी 4, माडल टाऊन, जालन्धर। (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पति में किन रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पति मे हिनवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एत**र्**द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भ्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 415, ग्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० श्रार० मागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, श्रमृतसर

दिनाम: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ग्रमृतसर/नवागहर/ए० पी०-1394/74-75---यत:, मुझे, बी० श्रार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 311 भ्राप्रैल 1974 लिखा है, जो बरनाला कला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल सम्पत्ति के उचित मस्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप स भिषत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

भौरयतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती तृप्ता रानी पत्नी प्रम लाल नवांशहर (ध्रःतरक)
- 2. श्रीमती चन्द्र कांता पत्नी राज कुमार नवांशहर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ० 311 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नवांगहर में लिखा है।

> बी० भ्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर 1974

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालन्धर/ए० पी०-1403/74-75---यतः, मुझे वी० आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी स०धरती काटुक का जैसा कि रजिस्ट्री कुत विलेख नं० 504, अप्रैल 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर श्रीध-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयफर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाहः :---

- 1. गुरदेव सिंह पुत्र निरन्दर सिंह पुत्र संता सिंह वासी 223-भार० माडल टाऊन, जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. केहर सिंह पुत्र धर्म सिंह पुत्र शाम सिंह वासी नकोदर गाव मालियां। (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एसवृद्धारा कार्यवाद्वियां शुरू करता हुं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतवृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्यध्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 504, श्रप्रैल 1974 को रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेज, श्रमृतसर

भ्रमतसर, विनाक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० श्रमृतसर/जालधर/ए० पी०-1395/74-75---यत: मक्षे, घी० श्रारं० सागर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 113 ब्रप्रैल 1974 लिखा है, जो नानारा म स्थित है (ब्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अप्रैल उचित बाजार की पर्वोक्त सम्पत्ति के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:--

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे अधने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (सा) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर बनाना।

और यतः, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निस्निकित व्यक्तियो, अर्थातु:—

- 1. श्री जमीयत सिंह पुत्र जवाला सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी, नागरा (श्रम्तरक)
- 2. मैसर्ज एस० आई० विरिक्स एण्ड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड, খীক दीपक सिनेमा, लुधियाना (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हुए ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

्रतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखन ० 113 भ्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालधर में लिखा है।

> वी० म्नार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख : 28 नवम्बर 1974 -

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, अमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/ जुलाई/ ए० पी०-1404/74-75 यत:, मझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृरूय 25,000√- ६पये से अघिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती का जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 508 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो गांव नागरा में स्थित (श्रीर इसमे उपा-वद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, श्रप्रैल को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित **की गई है और मुझे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्सरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थादः—

- 1. ग्रार्जन सिंह श्री जमीयत सिंह पुत्र जवाला सिंह पुत्र जैमल सिंह सैल्फ एण्ड जी० ए० धार हुक्मी देवी विधवा जवाला सिंह वासी नागरा। (अन्तरक)
- 2. मैसर्ज एस०ग्राई० त्रिक्स ऐण्ड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड, चौक दीपक सिनेमा, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो।
 (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पत्ति में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एक्षवृक्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्शारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अयक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विजेख नं० 508 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० त्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर *।*

तारी**व**: 28+11-1974

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यासय ग्राचीन रेंज, अमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवस्थर 1974

निवेश सं० ए० एस० ग्रार० / जुलाई / ए० पी०-1405/74-75 यत; मुझे वी० ग्रार० सागर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 753 न्नप्रें ल 1974 लिखा है, जो दाना मंडी जालंधर में स्थित है (भीर इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, **प्रप्रेल** को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथाया कियाजाना चाहिए था, किपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्निविवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मोहिन्दर पाल ऐलिपास जनेन्द्र पाल जैन पुत्र रेखब दास पुत्र लम्भु राम वासी 19-डी किदार बिलिंडग सब्जी मंडी देहली फार सैल्फ ऐण्ड जी ए (i) श्रीमती लक्ष्मी तेनी विधवा रेखबदास (ii) लक्ष्मी देवी प्रभाती देवी एलियास प्रभा देवी पुत्री रेखबदास (iii) तिरलोक चंद ग्रीर लैक्ट प्रशाद पुत्र रेखब दास। (अन्सरक)
- 2. श्री भ्रशोक कुमार पुत्र श्री मोहन लाल वासी ६० जै० 241 बाहर बाग, जालंधर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(बह स्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया का ना है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिमियम 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा- परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 753 म्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारी**च**: 28-11-74

मोहरः

269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

<mark>श्रमृतसर, तारीख 28-11-74</mark>

निर्देश सं० ए ऐस म्रार /जुलाई/ ए पी- 1407/74-75 यतः मुझे वी० म्रार० सागर, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 752 अप्रैल 1974 लिखा है, जो दाना मंडी जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्र उनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रम, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-ग्रारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—-416GI/74 मोहिन्दर पाल ऐलियास जनेन्द्र पाल जैन पुत्र रखव दाम पुत्र लम्भु राम वासी 19-डी केवार विलेडिंग सब्जी मंडी, तेहली फारसैल्फ श्रौर जी० ए० ग्राफ (i) श्रीमती लक्ष्मी देवी विधवा रेखव दास (ii)लक्ष्मी देवी, प्रभाती, देवी एलियास प्रभा देवी पुत्रीयां रेखव दास (iii) क्षिलोक चंद श्रौर लैफ्ट प्रशासद पुत्र रेखव दास ।

श्री मोहन लाल पुत्र कुन्दर लाल पुत्र छज्जु राम, मंडी फैंतन गंज, जालधर। (ग्रन्तरिती)।

जैसा कि नं० 2 पर है।

कोई व्यक्ति जो कि सम्पत्ति में रूचि रखता हो। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए धाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा प्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 752 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकंर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 28-11-1974

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, अमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०जे०यू० एल०/ए०पी०-1409/74-75—यतः, मुझे वी० धारे० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी संख्य धरती टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 554 धप्रैल 1974 लिखा है, जो शहीद ऊधम सिंह नगर, जालंधर में स्थिर है (ग्रीर जससे उपावय ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974,

भप्रैल, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के शिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और भतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, अर्थात् :--- (1) जस्सा राम पुत्र श्री ग्रस्तर सिंह पुत्र वसंदा राम मार्फत ग्रसर सिंह बोध राज, सब्जी मंत्री जालंधर।

(धन्तरक)

- (2) कुलबीप सिंह, श्रमरजीत सिंह, प्रीतपाल सिंह पुत्र सरूप सिंह पुत्र गंगा सिंह ई० एम० 180 सिविल लाईन्स, जालंधर। (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पित्त में ६ च रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न॰ 129 शहीद ऊक्षम सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न्॰ 554, प्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालंधर में लिखा है।

> बी० भार० सागर सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28-11-1974 मोहर: सहायक

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रम्तसर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 वी (1) के ग्रधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

घम्तसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निषेण सं० ए०एस० प्रार०/फग०/ए०पी०-1413/74-75—
यत: मुझे वी० प्रार० सागर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 177 धप्रैल, 1974 है, जो प्रेम नगर फगवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिननियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ध्रधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या ससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1) या भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

धतः : अव, धारा 269-घ के धनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) बलदेव राज पुत्र धमर नाथ पुत्र धनी राम, श्रीमती सीता रानी पत्नी बलदेवराज पुत्र धमर नाथ, निवासी फमवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) सतनाम सिंह, भ्रमरीक सिंह पुत्र दरशन सिंह, निवासी जमालपुर, तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में अम्रोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ठिच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जेन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेत्र, यदि कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ब्यक्ति, द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी हर सूचना ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भागे यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पादीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 177 मप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० मार० सागर, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीखः: 28-11-1974।

अर्जन रेंज, अमृतसर।

मोह्नरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० श्रमृतसर/पठा०/ए०पी०-1414/74-75—यत, मुझे, बी० श्रार० सागर आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 147 श्रप्रैल, 1974 में लिखा है, जो ढांगु रोड, पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिन

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रमसार ग्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक हैं श्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 41) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भन्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाही गुरु करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: श्रव, धारा 269-ध के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपग्रारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रवति:—

- (1) ज्ञान अती पत्नी किशोरी लाल सूद पुत्र लख्नमन वास, नासी धार० बी० जोधा मल कालोनी, ढाँगु रोड, पठानकोट। (अस्तरक)
- (2) श्री गगन सिंह मदन सिंह, ग्रजेय सिंह पुत्र किरपाल सिंह मार्फत मैंसर्ज जी० के० टिम्बर सप्लाई कम्पनी, आगु रोड, पठानकोट। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो;

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की धामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्वारा यह श्रधिस्चित किया जाता ह कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववत पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है झाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 147 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पठानकोट में लिखा है।

> की० प्रार० सामर, सम्म प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर)

ता**रीज: 28**-11-1974।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269भ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 नथम्बर, 1974

निदेश सं० श्रमृतसर/पठा०/ए०पी०-1415/74-75—यतः, मुक्षे, वी० श्रार० सागर,

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन जैसा कि रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 140 अप्रैल, 1974 में है, जो | सैनगढ़ पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उघित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिश्रीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर गत: श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए हार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीकित्यित किए गए हैं।

श्रत : श्रव, धारा 269 ग के मनुसरण में, मैं, श्रामकर प्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवात् :—

- (1) विवान चन्द पुत्र मुन्शी राम पुत्र लछमन वास मारफल मैसर्स दिवान चन्द शिव सरन वास पुरी गुरवासपुर रोड पठानकोट ।
- (2) जितन्द्र नाथ पुत्र खजान चन्द महाजन मारफत जन्ता बूट हाऊस, गान्धी चौक, पठानकोट ।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतब्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तडसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदहार। यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर तम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा भ्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता ह कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती के भ्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेशें की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पंदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर स्पित्यम, 1961 (1961 का 43) के सध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

थन्सूची

जमीन जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 140 भगैल, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पठानकोट में लिखा है।

> बी॰ ग्रार॰ सागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

ता**रीख: 28-11-1974**।

प्ररूप आई० ही० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भन्तसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 नवस्वर, 1974

तिवेश सं० ए०एस० आर०/पी०के०टी०/ए०पी०-1411/74-75—स्तः, मुझे वी०श्रार० सागर, स्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है भीर जिसकी संख्या धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 19 अप्रैल 1974 लिखा है, जो मिशन रोड पठानकोट में स्थित है (ग्रीर जससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकर्रण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 क 16) के ग्रिधीन 1974, अप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना;

श्रौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब बारा 269-ध के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपक्रारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री हरभजन सिंह पुत्र ग्रमोलक सिंह पुत्र कर्म सिंह वासी मिशन रोड़, पठानकोट। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री बलदेव राज कालरा पुत्न राम रक्खा मल मार्फत मैसज आर०एल०, बलदेव राज छांगु चौक, पठानकोट । (श्रन्तरिती) जैसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके द्याधियोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में क्वी रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर छक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

एसब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्कारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचमा दी गई है, आक्षेपीं की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 19, श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकृत श्रीधकारी, पठामकोट में लिखा है।

> वी० आर० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, समुद्रसर

तारीक :28-11-74

प्रकृष आई०टी०एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० एएसम्रार०/ए०पी०-1417/74-75—यतः, मुझे बी० म्रार० सागर

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 211 श्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो कोर्ट रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसस उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सर्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रुपैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिमात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्राव्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- (1) श्री विदेश चंद पुत्र उमाचंद सल्फ श्रीर जी० ऐ० झाफ श्रीमती किशना ठाकुर तत्नी उमा चंद ऐण्ड श्री श्रतुल चंद ऐण्ड विमल चंद मार्फत ठाकुर उमाचंद, 37 कोर्ट रोड, श्रमृतसर।
- (2) श्री दल सिंह पूल रतन सिंह, गांव माट्या त० ग्रजनाला,
- (3) जैसा कि नं ० 2 पर है।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अघ्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 211 ग्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

> बी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी,

सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण),

सारीख: 28-11-1974।

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

प्रइप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० ASR/ए०पी०-1418/74-75---यतः, मुझे वी० स्नार० सागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर श्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 212 श्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो कोर्ट रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) विदन चंद पुत्र जमा चंद सैल्फ ऐण्ड जी० ऐ० ग्राफ श्रीमती किशना ठाकुर पत्नी श्री जमा चंद ऐण्ड सर्वश्री श्रतुल चंद ऐण्ड विमल चंद पुत्र ठाकुर जमा चंद, 37 कोर्ट रोड, अमृतसर।
- (2) श्री राजिन्द्र सिंह पूत्र मेहर सिंह रानी बाग, श्रमृतसर
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतत्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख तं० 212 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

> ं वी० स्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी,

तारीखः 28-11-1974 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रर्णन रेंज, अमृक्षसर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं. श्रमृतसंर/ए० पी०-1419/74-75—यतः, मुझे वी० श्रार० सागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा प्राधिकारी अधीन सक्षम नेः विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपए से अधि**क है** बाजार मूल्य ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 214, 211 भ्रोर 212 भ्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो कोर्ट रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूपि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-4-74 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरिक्षियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से श्रुष्ट किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुद्ध करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) विदन चंद पुत्न ऊमा चंद सैंल्फ ऐण्ड जी० ऐ० श्राफ श्रीमती किशना ठाकुर पत्नी उमा चंद एण्ड श्री श्रतुल चंद, एण्ड विमल चंद पुत्र ठाकुर उमा चंद, 37, कोर्ट रोड, श्रमृतसर।
- (2) श्रीमती सुरिन्दर कौर पुत्नी स० मोहन सिंह गांव विचि विड ऐण्ड राजिन्दर सिंह पुत्न मेहर सिंह रानी का बाग, श्रमृतसर, श्री दल सिंह पुत्न रतन सिंह, गांव मित्तया, त० ग्रजनाला।
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है।
 - (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के -िलए एतदृहारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाए और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 214, 211, ऐण्ड 212 श्रप्रैल 1974 को रजिस्हीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

> (वी० ग्रार० सागर), सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

ता**रीच: 28-11-197**5।

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974।

निदेश सं० श्रमृतसर/ए०पी०-1420/74-75---यतः, मुझे वी० श्रार० सागर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं वरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 36 अप्रैल, 1974 लिखा है, जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इस उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अप्रैल,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अश्वीन निम्नालिखित व्यक्तियो, अर्थातु .—

- (1) स० प्रीतपाल सिंह, सुपरिनतैंडिंग इंजीनियर (इलैक्ट्रीकल पुत्र लैं० कर्नल स० श्रमर सिंह, 24 माल रोड, श्रमृतसर मार्फत श्री श्रमर सिंह पुत्र श्रासा सिंह, 24 दी माल रोड, श्रमृतसर।
- (2) डा॰ गुरचरण सिंह, कालरा पुत्र साहिल सिंह, 12, श्रजीत नगर, श्रमृतसर।
- (2) जैसा ि नं० 2 पर है।
- (4) कोट्ट ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दृहारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं :---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 36 श्रप्रैल, 1974 की रजिस्क्लीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

ता० 28-11-1974।

मोहर:

वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, अमृतसर प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर का कार्यालय । श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदश सं० ए० प्रार०एस०/ए०पी०-1422/74-75-गतः, मुझे वी० प्रार० सागर प्रायकर भिष्ठित्वम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 प्लाट नं० 66 रानी का बाग, प्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 155, प्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो रानी का बाग, प्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्व म्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सबोध कुमार, रणबीर, विजय, सतीश पुत्र श्री हंस राज, विद्या वती विधवा श्री हंस राज श्रोम कुमारी, प्रेम कुमारी श्रौर मोती पुवियां श्री हंस राज, 16, जी०टी० रोड, श्रमृतसर मार्फत श्री सुबोध कुमार। (अन्तरक)
- (2) श्री ब्रिज मोहन पुत्र किशोर चंद मार्फत श्री किशोर चन्द, पुतलीघर, श्रमृतसर।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियाँ शुक्र करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961(1961का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिचावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 प्लाट नं ० 66, रानी का बाग, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 155, श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० घ्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहाबक घ्रायकर घ्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रजन रेंज, अमृतसर

मोहर:

तारीखः 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एम० एस० --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्ससर।

ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०ग्रार०/ए०पी०/1423-74-75---यतः, मुझे वी० श्रार० सागर

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

और जिसकी सं० 1/4 प्लाट नं० 66 रानी का बाग, प्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 156 अप्रैल 1974 लिखा है, जो रानी का बाग, अमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, प्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :--

- (1) सबोध कुमार, रणबीर, विजय, सतीश पुत्र श्री हंस राज, विद्या वती, विधवा श्री हंस राज, ओम कुमारी, प्रेम कुमारी श्रीर मोती पुत्रियां श्री हंस राज, मार्फत श्री सबोध कुमार, 16 जी० टी० रोड, समृतसर। (अन्तरक)
- (2) शाम सुन्दर पुत्र श्री किशोर चन्द मार्फत श्री किशोर चंद पुत्रतीघर, ग्रमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नंबर 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 प्लाट नं० 66 रानी का बाग, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 156, श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है ?

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-11-74

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायक्ष (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार०/ए०पी-1424/74-75---यतः, मुझे वी० भ्रार० सागर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा का 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशवास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/-- रुपए से अधिक **ग्रौर जिसकी सं०1/4** प्लाट नं० 6*6,* रानी का बाग, ग्रम्तसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 157 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो रानी का बाग, श्रमुतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्तसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, श्रप्रैलको पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने के लिये सुकर बनाना;

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के भ्रष्ट्वों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- सवोध कुमार, रणवीर विजय, सतीश पुत्र श्री हंस राज, विद्यावती विधवा श्री हंस राज, ओम कुमारी, प्रेम कुमारी और मोती पुत्रीयां श्री हंस राज मार्फत श्री सवोध कुमार 16 जी० टी० रोड़, श्रम्तसर।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राज कुमार पुत्र श्री किशोर चंद मार्फत श्री किशोर चन्द, पुतलीघर श्रमृतसर। (मन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/4 लाट नं ० 66 रानी का बाग, श्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्री-कृत विलेख नं ० 157 अप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर।

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अंधायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धमृतसर कार्यालय दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं ए०एस०म्रार/ए०पी०-142**5/7**4-75**--यर**ः, मझे, वी० भ्रार० सागर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है, और जिसकी और जिसकी सं०1/4 प्लाट नं०66 रानी का बाग, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 158 है, जो धप्रैल 1974 लिखा है जो रानी का बाग, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्य-मान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भव्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकार अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन मिम्निकियित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. सवोध कुमार, रणधीर, विजय, सतीश पुत्त श्री हंसराज विद्यावती विधवा श्री हंसराज और ओम कुमारी, प्रेम कुमारी, मोत्ती पुतीया हंस राज मार्फत श्री सवोध कुमार 16 जी ० टी ० रोड़, श्रम्तसर। (अन्तरक)
- 2. श्री मशोक क्रुमार पुल श्री किशोर चंद मार्फन श्री किशोर चंद्र, पुतलीवर, ममुलसर (मन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पाति में हितवद है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसबुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी ।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

1/4 प्लाट मं० 66, रानी का बाग, श्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 158 म्प्रील 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर।

दिनांक: 28-11-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०भ्रार०/ए०पी०-1426/74-75--यत:, मुझे बी० श्रार० सागर, अधिनियम (1961 मायकर 1961 की द्वारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास क्षरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/-₹० और जिसकी सं० अमीन का टुकड़ा नं० 66 रानी का बाग ग्रम्तसर **जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 155, 156, 157, और** 158, अप्रेल 1974 है, जो रानी का बाग घमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्र धनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 1974 म्रप्रैल को पूर्वाचित सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि धन्तरक (भ्रन्तरको) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से लिखित में घास्तविष रूप से उन्त अन्तरण नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्वतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सबोध कुमार, रणवीर, विजय सतीश पुताण श्री हंस राज, विद्यावती,विधवा श्री हंस राज ओम कुमारी, प्रेम कुमारी भौर मोती पुतीयां श्री हंस राज द्वारा सबोध कुमार 16 जी ० टी ० रोड़, श्रमृतसर (अन्तरक)

- सर्वश्री क्रिज मोहन, श्याम सुन्दर राज कुमार, ग्रशोक कुमार पुत्र श्री किणोर चन्द झारा श्री किणोर चन्द पुतलीघर ध्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्साक्षरी जानता है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता है
 (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी।

एतवृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दुकड़ा नं० 68 रानी का भाग भ्रमुवसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 155, 156, 157 और 158 भ्रमुल 1974 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

> वी० धार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज अमृतसर

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——
आधानियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन स्थना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रमृतसर कार्यालय अमृतसर विनांक, 28 नवम्बर 1974

निष्यं सं० ए०एस०थार/फगवाड़ा/०पी-1427/74-75--यत :, मझे बी० श्रार० सागर,सहायक आथकर आयुक्त निरीक्षण (बैंगसूर) आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक हैं गौर जिसकी सं० जमीन जैसा कि रिजस्ट्रें कृत विलेख नं० 179 अप्रैल, 1974 है, जो चाचोकी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रिजस्क्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पिणोरी लाल चड्डा पुत्र भारत राम मुख्तियारे आम परवोतम लाल निवासी फगवाड़ा (अन्तरक)

- 2. मैंसर्ज मुख्यक्टरा इन्डरट्रीज 2 इंडस्ट्रीज एरिया जी०टी० रोड़ फगवाड़ा द्वारा श्री हरभजन सिंह निवासी 68-बी, फगवाड़ा माडल टाऊन फगवाड़ा (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अथे होगा, जो उस अध्याय म दिया गया ह ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 179 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमतसर ।

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए०एस०भ्रार/फगवाड़ा/ए० पी०-1428/74-75--यत:, मुझे बी० श्रार∙ सागर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/-द० से अधिक है और और जित्र हो तं । प्रदत्तो जैता कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं । 161 श्रप्रैल 1974 ते बा है, जो गांव वाचोरित में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्र मनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्रम, फगमाङ्गा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 1974 भन्नेल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,

उसके दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का प्रन्द्रह

प्रतिशत प्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती

(श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल,

निम्निनिजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ग्नीर यत: ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखित किए गए हैं

भत: भ्रब, घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:---7---416G.I./74

- लाला पिकोरी लाल चड्डा पुत्र लाला वरवत राम पगमाड़ा अटार्नी आफ श्री परवोभम लाल भाई, फगवाड़ा। (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्ज हेयर इलैक्फ्निकल कम्पनी, 2 इण्डस्ट्रीयल एरिया, जी॰ टी॰ रोड़, फगवाड़ा। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो ।

(वष्ट व्यक्ति₂ जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वष्ट सम्पति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

एतव्यारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किये गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख धौर स्थान नियत किए जाएगे श्रौर उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदबारा श्रागे ये श्रधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूववर्ती पेरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 161 भ्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

दिमांक: 28-11-1974

मोहरः,

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमतसर कार्यालय दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०म्रार०/फगवाङ्ग/ ए०पी०-1429/74-75-यतः, मुझे वी० म्रार० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है गौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2 अप्रैल 1974 लिखा है, जो जी० टी० रोड़, फगवाड़ा (गांव चाचोिक) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रिजर्ट्र वरण अधिनयम, 1908 1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल पर्योक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- 1. श्री वचन सिंह पुत्र वीदार सिंह पुत्र देविया बासी चाचोिक तहसील फगवाड़ा (ग्रन्सरक)
- 2. मैसर्ज गुरवक्श फाईनैंस (प्रा०) लिमिटेड, बंगा रोड़, फगवाड़ा, मार्फत श्री साधु सिंह मैनेजिंग डायरैक्टर।(म्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति गिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि एखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति म हितबद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और धान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

म्रनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2 म्रप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० आर० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> > ग्रर्जन रेंज, ममुतसर।

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत संरकार

कार्यालय सहायक भायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमससर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं०/जालन्धर/ए०पी०-1430/74-75—यतः, मझे वी० आर० सागर सहायक श्रायकर अधिकारी आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 802 ग्रप्रैल 1974 है, जो फोरल वाला, नकोदर रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपवद्म श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रमुँल को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फदह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्री शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. आयकर अधिनियम

- 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—
 - 1. गुरदीप सिंह सांगा पृक्ष चानन सिंह निवासी कादीया (भ्रन्तरक)
 - मैसर्ज पंजाब कोल्ड स्टोरेज नकोदर रोड, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसाकि नं० 2 पर है।
 - (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जामता है)
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता हो।

(वह व्यक्ति₂ जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 802 मप्रैल 1974 को रिजस्टीकर्ता ग्रिधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर ।

विनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण),

सहायक ग्रार्जन रेंज, ग्रम्तसर अमृतसर, दिनांक 28 मवस्बर, 1974

निर्देश सं० ए०एस०ग्रार०/जा०/ए०पी०-1431/74-75---यतः मुझे वी० ग्रार० सागर श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 43) 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है **धौर** भ्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीहत विलेख नं० 803, ग्रप्रैल, 1974 है, जो फोलरीवाला नकोदर रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम (1908 का 16) के श्रधीन घप्रैल, 1974 को पूर्वोक्स उचित धाजार मृल्य से कम के सम्पत्ति दुश्यमान प्रतिपल के लिए रिजन्द्रीवृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विभ्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्स सम्पत्ति का अचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उ**क्त** अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भव्याय 20-व के भव्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिकतयों, अर्थात:—- 1. गुर देव सिंह पुन्न अगीर सिनासी चिट्टी।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स पंजाब ,कोल्ड स्टोरेज, [नकोदर रोड, जालन्घर

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह ध्यक्ति जिसके द्रिधभोग में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में घिच रखता हो ।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्प्यति के अर्जन के लिए एतदबारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 803 श्रप्रैल, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० भ्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर, 1974

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०———— आयकर अभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, ध्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए०एस०ग्रार०/जा०/ए०पी०-1432/74-75---यतः मुझे वी० ग्रार० सागर, श्रायक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 898, प्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो गांव फुलरीवाला, नकोदर रोड, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जातन्धर में भारतीय रजिस्दोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रैल 1974 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है अं र मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्ठी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और /या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुक्कर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री सतलाल भूत्र रामचस्य वासी मकान नं० 86, ई० ग्री० सैयदा गेट, जालन्धर ।
- 2. मैसर्स पंजाब कोल्ड स्टोरेज, (ग्रन्तरक) नकोदर रोड, भालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधो-हस्तारी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पित्त में किच रखता हो ।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां शक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजण्ज्ञ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि एस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

ह्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियागया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 898 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के जालन्धर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्रधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेंज, श्रमृतसर

वारीख: 28 नवम्बर, 1974

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर विनांक 28 नवम्बर, 1974

निर्देशसं०ए० एस०म्रार०/जाल०/ए०पी०1433/74-75---यत: मुझे वी०भ्रार० सागर

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का

- 43) की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 802 803 भौर 898, भ्रमेल, 1974 लिखा है, जो गांव फोलारीयाला, नकोवर रोड, जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपबद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भ्रभैल, 1974
- (1908 का 16) क अधान अप्रल, 1974
 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
 कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के
 अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
 है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिपल वा यन्द्रह प्रतिशत अधिक है
 और यह कि अन्तरम (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों)
 के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
 से किथत नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या;
 - (आ) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

झौर यतः भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शब्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करने के कारण भेरे द्वारा मिशिलखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रवः, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राचीत :----

 श्री गुरदीप सिंह सांगा पुत्र चानन सिंह निवासी काशीयां गुरदेव सिंह पुत्र जागीर सिंह निवासी चिट्टी सन्त लाल पुत्र रामचन्द मकान नं० 86/ई०ग्रो०, सैदा गेट, जालन्धर (ग्रन्तरक) मैसर्ज पंजाब कोल्ड स्टोरेज, नकोदर रोड, जासन्धर।

(श्रन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

जे. कोई ध्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए एतदक्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के मर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (कः) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी। ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ध्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख धौर स्थान नियत किए जाएंगें धौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ध्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह भिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भधीन सूचना दी गई है, धाक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43)के भ्रध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जीसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख न० 802, 803 भौर 898 भ्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुवत (निरीक्षण) श्राजन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974 निर्देश सं० ध्रमृतसर/फणवाड़ा-1434-74-75-यतः मुझे वी० स्रार० सागर आयकर धिधिनयम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक भीर जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 200 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो प्रीतम बाग फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापवींबत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उर्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शक करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपघारा (1) के घंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-

- अमरनाथ पुन्न लम्भू, अमर कौर पत्नी अमर नाथ वासी पुराना फगवाड़ा। (अन्तरक)
- अवतार इन्द्र सिंह सन्धु, स्कैवड्डन लीडर पुत्र श्री प्रीतम सिंह, बासी प्रीतम बाग, फगवाड़ा (अन्तरिसी)

- 3. जैसा कि नं ० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता हो (बह ध्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसयुद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणित की सारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों. की सुनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 200, मर्प्रेल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० आर० सागर, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28-11-74

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर० / फग० / ए० पी०-1435 / 74-75--यतः मुझे बी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- छ० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 187 अप्रैल, 1974 लिखा है, जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से याणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मू स्व, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना, शाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क्र के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः ग्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

1. श्री तेनूराम पुत्र राम दास, निवासी कगवाड़ा। (ग्रन्तरक)

2. श्री मदन मोहन शास्त्री पुत्र दुर्गादास,

सर्वे श्री शिव जयन्त, ऊमा, जयन्त , विनोद कुमार पुत्र श्री मदन मोहन ,

गांव मनोही, तहसील, फगवाड़ा।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधी-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इकि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्क्षरी
ानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतब्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह आधिस्चित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधान सूचना दी गई है, श्राक्षेपीं की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो, जो भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

जमीन जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 187 श्रप्रैल,1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा मेलिखा है।

> धी० द्यार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28नवम्बर, 1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, श्रमतसर

अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निर्देण सं० ए०एम० प्रार०/फग०/ए०पी०-1436/74-75--यतः मुझे वी० प्रार० सागर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है
ग्रौरजिसकी संख्या जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
140 ग्रप्रैल, 1974 है जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में
स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से
विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)
के ग्रधीन ग्रप्रैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीफ़ृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरिण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-विखित किए गए हैं।

अतः, अब घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अग्निमियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--8-416 GI/74 गणेण सिंह पुत्र गुरदित सिंह पुत्र जवाला सिंह निवासी गांव चचरारी, तहसील फिल्लौर।

(ग्रन्तरक)

 गुरदेव राम बैनज पुत्र करम चन्द पुत्र गुरदिता राम निवासी मानोकी तहसील, फगवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए एतद्कारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पक्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थाम नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्बारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 140 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० म्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रम्तसर

तारीख: 28-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए० एस०श्रार०/फग०/ए०पी०-1437/74-75--यत: मुझे वी० श्रार० सागर श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 78 श्रप्रैल, 1974 लिखा है जो जी०टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) श्रप्रैल, 1974 को के श्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और ०या
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शादों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती सतनाम कौर विधवा श्री मोहन सिंह भमरा, वासी गांव हदिपाबाद, फगवाड़ा । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुन्दरी देवी पत्नी लाल चन्द मार्फत नैशनल फाउन्डरी, एण्ड इंजीनियरिंग वर्कस, जो टी० रोड, फगवाडा । (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग मे ग्रिधो-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतष्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे टय्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 78 प्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पगवाड़ा में लिखा है।

> वी० म्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निर्देण सं० ए० एस० प्रार० /फग० /ए०पी०-1438/74-75---

यतः मुझे वी० प्रार० सागर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है
ग्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
47, प्रप्रैल, 1974 लिखा है जो चाचोकि में स्थित है (ग्रीर

कर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-

श्रप्रैल, 1974

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थामु:—-

- लक्ष्मन सिंह केदर सिंह पुन्न नंद सिंह
 वासी चाचोकि, फगवाड़ा। (श्रन्तरक
 - 2. जगत सिंह पुत्र गुरिदत्त सिंह, पुत्र हाकम सिंह, गांव रूरका, तहसील फिल्लौर । (अन्तरिती
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 47 ग्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वीं० श्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 28 नवम्बर, 1974

माहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, ग्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 28नवम्बर, 1974

निर्वेश सं० ए०एस०श्रार०/फग०/ए०पी०-1439/74-75—
यत: मुझे वी० श्रार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है
श्रौर जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 48
श्रप्रेल, 1974 लिखा है, जो गांव चाचोकि में स्थित है
(श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है
रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
श्रप्रेल, 1974

को पूर्षीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखिस किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— लष्ठमन सिह, केहर सिह पुत्र नंद मिह बांसी चाचोकि, फगवाड़ा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री मिलखा सिह पुत्न गुरदित सिह गांव रूरका , तहसील फिल्लौर ।

(अन्तरित**ी**)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को य**ह सूचना जारी कर**के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के एत**द्**यारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रुयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलखन० 48 अप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 28-11-74

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०----

श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत मरकार

महायक आयव र प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, प्रमृतसर

दिनार 28 नवम्बर, 1974

निदेश से ० ए० एम० आहर /फस०/ए०पी०- (4 4 0*/ 1* 4- 7 5—— यत मझे राज्यारज्यागर स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जी धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/ ₹० से उचित बाजार मन्य श्रीर जिसकी स० धरती जैगा वि रजिस्दीकृत विलेख न० 153 ग्राप्रैल, 1974 लिखा ह जा फगवाडा गारवी में स्थित ह (स्रोंग इसमे उपाबद्व स्रतमूची में स्रीर पूर्ण रूप लिंगत है) रजिस्द्रीवर्ता यधियारी व रार्यालय फगवाडा मे भारतीय रजिस्ट्री ३ रण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मृत्य, उरावे अध्यान प्रतिपत्त स ऐसे दण्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत प्रति । हाआ । यह कि प्रन्तरक (यन्तरका) श्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितिया) ४ नीच १० भाषा गया एसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य स अवत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है

- (व) पन्तरण प हर किसी श्राय की वाबन श्रायकर प्रिश्तिनियम, 1961 (1961 का 13) के श्रधीन कर देने व गन्तरण के दायित्व में कमी करन या उससे बचाने के लिए मुकर बनाना श्रीर/या ,
- (स) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रन्य स्नारितयो रा जिल्हे भारतीय स्नायकर स्निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या स्नायकर स्निधिनयम, 1961 (1961 का 43) या धन-वर स्निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ स्नन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

ग्रारियत ग्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20-क के णब्दा में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने व कारण मेरे द्वारा ग्रिभिलिखित किए गए हैं।

श्रव %व, वारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, ग्रायक्षर प्राविनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ध की उपक्षर (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथात् .— हजारा राम पुत्र दीवान चन्द,
 गाव मानोकि त० फगवाडा ।

(ग्रन्तरकः)

2 सरवन मिह पुत्र भगत सिह , वासी रानीपुर, तहसील फगवाड़ा ।

(ग्रन्तरिती)

3 जैसाकि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग म ग्रधो-हस्ताक्षरी जानना है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति मे हितबढ़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क ग्रर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हु।

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जा भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपा, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख गौर स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो श्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 153 यर्प्रल, 1974 को रजिस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, प्रमृतसर

तारीख 28-11-71 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एएसम्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1441/74-75--यत:, मझे बी० श्रार० सागर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है और भ्रौर जिसकी सं० धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1013 श्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो गांव जंडू सिंघा त० जालन्धर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :----

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकटनहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यत: भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-फ के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रत : ग्रब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, भ्रायकर **ग्रधिनियम, 19**61 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:--

(1) श्री श्रोम प्रकाश जोशी पुत्र राम लाल जोशी पुत्र रला राम, वासी जहं सिंघा, त० जालन्धर । (अन्तरक)

- (2) श्री राजेश्वर सिंह रणवीर सिंह, जंग बहादुर सिंह पुत्र मेजर श्रोम प्रकाश ऐण्ड स्नेह लता पत्नी श्री राजेश्वर सिंह वासी 196, श्रादर्श नगर, जालंधर। (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीरस्थान नियत किए जाएंगे भ्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ब्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ब्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतबुद्धारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों, जो श्रायकर 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची'

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1013 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-11-1974

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ का कार्यालय

भ्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974 निर्वेश सं० एएसम्रार०/जलंधर/ए०पी०-1442/74-75---यतः, मुझे बी० द्यार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1035 श्रप्रैंस, 1974 है, जो बस्ती बावा खेल, जालंधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरिप्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, घारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तेजिद्र सिंह प्रपल पुत्र जीवन सिंह पुत्र सत सिंह निवासी बसती बावा खेल जालंधर। (अन्तरक)
- (2) मैं मर्ज लैंड एण्ड इनवैस्टमेन्ट कारपोरेशन, नजबीक पुराना बस स्टैन्ड, जी० टी० रोड, जालंधर द्वारा श्री श्रोम प्रकाण सपरा, मैनेजिंग डारक्टर। (अंतरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह ध्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (यह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतबुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में संवापरिभाषित हैं, वही अधें होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1035 ग्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैंम रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारतसरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर ग्रमुतसर, दिनांक 28 नवस्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०श्रार०/जालंधर/ए०पी०-1443/74-75—-यत:, मझे बी० श्रार० सागर आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1047 भ्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो लाडोबाली रोड, जालंधर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-कर्ण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 उचित भ्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

(1) श्री राम लुभाया पुत्र नाथु राम पुत्र कर्म चंद वासी होशियारपुर रोड, जालंधर! (अन्तरक)

- (2) श्री हर भजन सिंह जबवल, जगजीत सिंह पूत्र मोहिंदर सिंह, गली नं ० ८, सैंद्रेल टाऊन, जालंधर ।
 - (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचिस किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1047 स्रप्रैल, 1974को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय श्रर्जन रेंज अमृतसर

यमृतसर, दिनाक 28 नवस्वर, 1974

निदेश मं० ए०एस०म्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1444/74-75 ----यतः, मुझे वी० म्रार० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1052 प्रप्रैल 1974 लिखा है, जो लाडोवाली रोड, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्रैल

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्नैल पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और गुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिप ल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण रो हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे धचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाही गुरू करने वे नारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थातः :--

(1) श्री राम लुभाया पुस्न नस्थू राम पुक्त कर्म चन्द. वामी होशियारपुर रोड जालंधर । (ग्रन्तरक)

- (2) श्री मनखन सिंह, सुरिंदर सिंह पुत्र मोहिंदर सिंह वामी गती नं 8, सैंट्रेल टाऊन, जालंधर । (श्रन्तरिती)
- (अ) जसाकिन० 2 पर है।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्करी जानता है)

(4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवाद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां ग्रुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा मम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐमे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1052 में अप्रेल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, मक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , अमृतसर

तारीख: 28-11-1974 ।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/जालन्धर/ए०पी०-1445/74-75---यतः, मुझे वी० भ्रार० सागर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजर्ड़ी कृत विलेख नं० 1047 और 1052 अप्रैल, 1974 है, जो लांडो वाली रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल को पूर्वीक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के म्रधीन कर देने के मन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना मौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत: ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीक्तिखित किए गए हैं। ग्रत: श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) श्री राम लुभाया पुत्र नथू राम पुत्र करम सिंह निवासी होशियारपुर रोड, जालन्धर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह जबल, जगजीत सिंह मक्खन सिंह सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह, गली नं० S, सैन्ट्रल टाऊन, जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1047 श्रौर 1052 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० म्रार० सागरः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

सारीख: 28-11-1974 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/जालनधर/ए०पी०-1446/74-75—-यत:, मुझे बी० भ्रार० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1149 श्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो गांव रेरु में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच स्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाम्:—

- (1) श्री दर्शन सिंह पुत्र बुजा सिंह उर्फबुद्धा सिंह वासी माडल टाऊन, जालन्धर मार्फत श्री दीवान चंद पुत दसोंदी राम प्रापर्टी डीलर, जी० टी० रोड, जालन्धर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरबंस मिह तुर पुत्र बलदेव सिह ग्रौर सूबेदार सरवन सिह पुत्र ग्रर्जन मिह वासी सिविल लाईस, नजदीक न्यु कोर्टस, जालन्धर। (अंतरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृक्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि काई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजण्य मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1149, श्रमैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-11-1974

मोहर

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, अमतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 नवस्वर, 1974

निदेश म० प्रमृतसर/जालन्धर/ए०पी०-1447/74-75-यत:, मुझे वी० प्रार० सागर
आयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचिन बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है
प्रौर जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1151
प्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो गांव रेक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध
प्रमुखी मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या,
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम. 1922 (1922 का 1) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

श्रीर यतः श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए काथवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं। श्रत : ग्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थान :---

- (1) वर्शन सिंह पुत्र बुजा सिंह उर्फ बुद्धा सिंह वासी माडल टाऊन, जालम्धर मार्फत जी० ऐ० श्री दीवान चंद पुत दसोंदी राम, प्रापर्टी डीलर, जी० टी० रोड. जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्री हरबंस सिंह तुर पुत्र वलदेन सिंह ग्रीर सूबेधार सरवन सिंह पुत्र ग्रर्जन सिंह वासी सिविल लाईस, नजदीक न्यू कोर्टस, जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के

एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिक्षस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पद्यों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्ररती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1151 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

ती० धार० सागर,

तारीख: 28-11-1974

सक्षम प्राधिकारी,

मोहर:

सहायमः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)

श्रजीन रेंज, अमृतमर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश मं० ग्रमृतसर/फग०/ए०पी०-1448/74-75---यत:, मुझे वी० श्रार० सागर त्रायकर ग्रधिनियम. 1961, (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 149 श्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो माङ्कल टाऊन फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अप्रैल, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर ग्रन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा धिमिलिखिश किए गए हैं।

अतः यन, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बाब् राम पुत्र लौरिटा राम बासी फगबाड़ा।(अन्तरक)

- (2) श्री दर्शन सिंह पुष्ठ भगवान सिंह जाति अत वासी नौरंगशाहपुर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० २ पर ह।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जामता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एलदृद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतय्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन भूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाधित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 149 श्रप्रैल. 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० ग्रार० सागर, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

ता**रीख**: 28-11-1974

गया है:---

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक श्रायकर भ्रायुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर ग्रम्तसर, दिनांक 28 नवम्बरः 1974

निर्देश मं० ए०एस०आर०/ए०म्रार०-1421/74-75--यतः, मुझे बी० ग्रार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 37 ग्रप्रैल 1974 लिखा है. जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, श्रमृतसर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल या पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरको) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

उक्त प्रन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात:—

सं अतिपाल सिंह, सुपरिनटैंडिंग इंजीनियर (इलैंक्ट्रिक्षल) पुत्र लें कर्मल सं अमर सिंह, 24 दी माल, श्रमृतसर मार्फत श्री अमर मिंह पृद्ध आमा मिंह, 24 दी माल, श्रमृतसर । (अन्तरक)

- (2) बलवंत कौर पत्नी मं गुरचरण मिह् कालरा 12 म्रजीत नगर, स्रमुससर । (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि न ० 2 पर हे।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप,यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ओर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीम सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अमुस्ची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 37 माप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, श्रमतसर में लिखा है।

> वी० <mark>श्रार० सागर</mark> सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक: 28 नवम्बर 1974

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 ता 43) की पारा 269-ध (1) के धाधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, अमृतसर

ग्रमृतसर तारीखा 28 नवस्वर । 974

निदेश स० ए० एस० श्रार०/ पी० एच० जी०/ए० पी०-1449/ 74-75--यन, मझे बी० भ्रार० सागर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-२० से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० मम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 150 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो 6-5 माडल टाङन फगवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपवाद श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राज-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाडा मे भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्रैल पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायक श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मूकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियां की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 वा 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रह्माय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रमिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिगयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:~-

- (।) श्री प्रेम सिंह पृत्न वृध सिंह वासी हदियावाद । (श्रन्तरक)
- (३) श्री गरवचन मिह पृत्र भगवान मिह जाति अटवासी नीरगणाहपुर । (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं ० 2 पर है।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(प) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-~

- (त) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियो में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्थरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जात। है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वविती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्छोकरण:---इसमे प्रयुक्त घब्दो भीर पदो का, जो भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 150 श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फगवाडा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 28-11-1974 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के श्रिधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज. अमतसर

ग्रमृतसर नारीख 28-11-1974

निवेश सं० ए०एस०ग्रार०/एपी-1450/74/75 यत: मुझे बी० भ्रार० सागर सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) , भ्रर्जन रेंज, बिहार, पटना, भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर ग्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 717 ग्राप्रैल 1974 लिखा है, जो पूर्न रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखत उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या ;
- (क) ऐसी किसी श्राय मा किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यत: भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारः (१) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयातः--- श्री हरवंस सिंह, जसवंत सिंह पुत्र ग्रमर सिंह, तरन तारन जिला ग्रम्तसर।

मैंगर्ज प्रेसको इतरप्राईसंज जीव टीव रोड 4 फील्डम पाफत श्रीव एमव एसव मेखो, प्रोव :-- (श्रन्तरिता)

जैसा कि रन ३ 2 पर है।

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के अति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षे ों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 717 अप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रमुलसर।

तारीख . 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेन्ज, अमृतसर श्रमतसर तारीख 28 नवम्बर 1974

निवेश सं ० ए०एस० श्रार० बी० टी० शी० ए०पी०-1454/74-75-यतः मुझे वी० ग्रार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसाकि रजिस्टीकृत विलेख नं० 312, प्रप्रैल, 1974 लिखा है, जो वी-2, सिविल स्टेशन, भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भटिडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 क 16) के प्रधीन 1974 प्रप्रैल, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अन्सरित की गई है **यह वि**ण्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्सरण सिखित में घास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अव, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकार भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
नछत्तर सिंह एक्वोकेट पुत्र भी हरदियालसिंह, फूल। (अन्तरक)
10---416 GI/74

- श्री मनोहर सिंह पुत्र अजमेर सिंह और दूसरे बी-2, सिविल स्टेशन, भाटिंडा। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(व**ह** व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (बहु व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पति में हिलवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदबारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव दें फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदबारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 312 भ्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, भाटिंडा में लिखा है।

> वी० भार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-11-1974

मोहर:--

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीम सूचमा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **धायुक्**त (निरीक्षण) श्रजन रेंज अम्तसर

<mark>म्रमृतसर तारीख 28 नवस्बर, 197</mark>4

निदेण सं० ए एस आर/ बी टी डी/ ए पी- 1455/ 74-75 मतः मुझे बी० आर० सागर आयकर प्रक्षिमियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 618 अप्रैल 1974 लिखा है, जो माल रोड, भटिंडा में स्थित है (और इसमे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अप्रैल

के पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृह्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देमे के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुक्षर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीम निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री हरि राम पुत्र राजा राम. सिरकी बाजार, भटिडा। (ग्रन्तरक)

जोगिन्दर पाल पुत्र शिवजीत राम एण्ड भटिंडा। ज्ञान चंद पुत्र श्री तिलक राम भ्रादि पी-श्रो भटिंडा। (श्रन्तरिती)

जैसाकि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अस्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसवृद्धारा यह श्रिध्नसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्यकर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 618 श्रप्रैल 19-74 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षिकारी ,भटिडा में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमुतसर

तारीख: 28-11-1974

मोहर:

प्रदेष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यास्य, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज अमृतसर

ग्रमतसर तारीख 28 नवम्बर 1971

निदंश स० ए० एस० प्रारं 0/बी० टी० डी०/ए पी-1456/47-75 यत मुझे बी० ग्रारं ० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीरं जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 616 ग्रप्रैंल 1974 है, जो माल रोड, भाटिडा में स्थित है (ग्रीरं इससे उपावद्र ग्रमुची में ग्रीरं पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भटिडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनय 1908 (1908 का 16, के ग्रिधीन 1974, ग्रमुंल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-माम प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीम्हत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-गूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उन्नेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शक्यों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियो, अर्थात:—

- 1. श्री बनारसी दास पुत्र राजा राम सिरकी बाजार भाटिडा। (श्रतरक)
- 2. जोगिन्द्र पाल पुत्र शिवजी राम गयान चन्द पुत्र तिलक राम श्रादि पोस्ट ग्राफस भाटिङा (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि न० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - ्र. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पदि म हितकदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 616 अप्रैल, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी भाटिका में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज ग्रमृतसर

तारीख .--- 28-11-1974 मोहर :--- प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए एस भ्रार/ बी० टी० डी/ ए पी-1451/74-75 यतः मुझे बी० भार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है, उचित बाजार मूल्य भ्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 377 धप्रैल, 1974 लिखा है, जो परशुराम नगर, भाटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्र ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भाटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 1974, मप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धे अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री मदन लाल शर्मा मार्फत ऐवरैस्ट फारमेसुटीकल, परशु-राम नगर, भाटिंडा। (श्रन्तरक)

जसकौर सिंह पार्फत एैंबरैस्ट फारमेसुटीकल, परसुराम नगर, भाटिंडा। (धन्तरिसी)

जैसा कि नं० 2 पर है। (यह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तौ:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकोंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएंगी।

एसव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्यक्तिरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 377 अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भाटिका में लिखा है।

> बी० धार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंख, ग्रमृतसर।

तारीख:--- 28-11-1974

मोहर:---

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, धमृतसर अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्वेश मं० ए०एस०ग्रार०/मटिंडा/ए०पी०-1458/74-75-यक्षः, मुझे बी० मार० सागर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक 🖁 भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 613 भन्नैल 1974 लिखा है, जो मालरोड, भटिंडा में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध धनुश्रुची में घोर पूर्ण रूप से विणत है)रिजस्ट्रीकर्ता घ्रिध-कारी के कार्यालय भटिंका में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन 1974, सप्रैल पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिमात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्सरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अबधारा 369-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवौत्: ---

- া. श्री वेद प्रकाश पुत्र राजा राम, भटिंडा। (ग्रन्तरक)
- 2. जोगिन्द्र पाल पुत्र शिवजीत राम पोस्ट श्राफिस बाजार, भटिंडा। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि न० 2 पर है।
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रांच के अर्जन के लिए एसदृहारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अ्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की वी जायेगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शक्कों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 613 मप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता मिसकारी, भटिका में लिखा है।

> वी० भ्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रा**युक्त** (निरीक्षण) ग्रजन रेंज श्रमृतसर ।

विनांक: 28-11-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, महायत यायस्य श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज श्रमृतसर

अमृतसर दिनाक 28 नवग्बर 1974

निर्वेश स० ए०एस०ग्रार०/भटिडा/ए० पी-1459/74-75-यत:, मुझे थी० ग्रार० सागर ग्रायकर प्रक्षिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 780 प्रप्रैल 1974 लिखा है जो माल रोड भटिड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क प्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिडा में भारतीय प्रधिनियम के ग्रधीन 1974, म्रप्रैल 16) का उचित पुर्वोक्त सम्पत्ति क बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत मधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरको) भौर भन्तरिती (ग्रम्सरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, मिम्मलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित मे बास्तबिक रूप से कथिस नहीं फिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के अग्र सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत्र, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण की उपचारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- 1 दर्शन कुमार, सिरकी बाजार भटिङा। (भ्रन्तरक
- 2 श्री भूजराम पुत्न हरवण राम सदर बाजार भटिखा। (ग्रन्तरिती)
- अजैसाकि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म अधोम्साक्षरी जानता है)
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(यह व्यक्ति जिसके बारे ने अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्नि में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हा तो -- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.8 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सृचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए आएगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जियने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन स्चमा दी गई है, आक्षेपो की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पळ्डोकरण:----इसमे प्रयुक्त गब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में मधापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 780 प्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी, भटिडा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज ग्रम्तसर।

विनाक . 28-11-1974 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज. श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०ग्रार/भटिङा/ए०पी०-1460/74-75—— यतः, मुझे त्री० ग्रार० सागर, भ्रायमर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 779 अप्रैल 1974 है, जो माल रोड़, भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 1974 मार्पेल को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमाम प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि श्रम्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्सरण लिखित में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिक्षित्रमम, 1961 (1961 का 43) के श्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनान; और/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्थ भ्रम्सरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर श्रधिक नियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-थ की अपश्रापः (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रयोत्:---

- बनारसी दास पुल राजा राम सिरकी बाजार भटिडा (ग्रन्तरक)
- 2. भोज राज हस्तपाल रोड़ भटिडा (श्रन्सरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताआारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जेन के लिए एसद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, लोः---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन की ध्रवधि या तत्सेबंधी स्थितियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुसवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसके ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्मत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतवृद्वारा धागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के धधीन सूचना दी गई है, धाक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए ध्रधिकार होगा। स्पद्धीकरण:---ध्रसमें प्रमुक्त शब्दों धौर पदों का, जो धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के सध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत निलेख गं० 779 अप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिंडा में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंज श्रमुतसर।

विनाम : 28-11-1974

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतमर

अमृतसर दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्देश मं०ए०एस०भ्रार०/मटिंडा/ए०पी०-1461/74-75---यतः, मुझे वी० भार० सागर, भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रह्य 25,000/-रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 778 श्रप्रैल 1974 है, जो माल रोड़, भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद **बनुसूची में भौ**र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंखा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का 16) के श्रधीन 1974. को पूर्वीक्त सम्पत्ति केउचित बाजार के बुक्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, इश्यमान प्रक्षिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के कध्याय 20-क के शब्बों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. রুজ্ण कुमार पुत्र हरी राम भटिंडा। (धन्तरक)
- 2. भीज राज पृत्र हरजस राय, सदर बाजार, भटिडा (मन्तरिती।
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्रारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूजना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुजवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूजना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 778 भगैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> वी० भार० सागर, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर।

दिनोक: 28-11-1974

मोहर:

कार्यालय, सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एं असंआर०/बींटीं डीं०/ए०पी०-1462/74-75— यत:, मुझे, वी० श्रार० सागर, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख नं० 777 मप्रैल 1974 लिखा है, जो माल रोड, भटिंडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्री-मधिनियम 1908 1908 का 16 के मधीन 1974 भन्नेल को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुक्षर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :— 11—416GI/74

- 1. श्री हरी राम पुत्र राजा राम मिरकी वाजार, भटिंडा (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्ज राज पुत्र हरगण राय सदर बाजार, भटिंडा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतदृक्कारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी हर सूचना ऐसे ब्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 777 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर,।

तारीख : 28 नवम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एएसआर०/पीकेटी०/ए० पी०-1465/74-75—
यतः, मुभे, वी० श्रार० सागर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है
श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 21
श्रप्रैल 1974 है, जो डांगू रोड, पठानकोट में स्थित है
(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में भारतीय
रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
1974, श्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री बखशी गुलाम दीन पुत्र अजमल गकार दीन मेहमुदा वखशी पत्नी मोहमद युसफ वखशी गुलाम हमन बखशी पृत्र हाजी गुलाम नाभी हाजी न्र-ऊ-दीन पृत्र अवदुल गनी अवदुल अजीज पृत्र हबीब ऊला अबदुल घनी पृत हाजी न्र-ऊ-दीन गुलाम मोहमद और मोहमद शकी पृत्र मोहमद शबदुला गुलाम रसूल पृत्र गुलाम नाभी मोहमद सायद पृत्र मरीऊल दीन हारा मोहमद यूसफ पृत्र हाजी न्र दीन मारफत रीगल सिनेमा, श्रीनगर (श्रन्तरक)
- 2 श्री रमेश भाटिया पुत्र रोशन लाल भाटिया पुत्र तारा चन्द मारफत लारा चन्द भाटिया एण्ड यन्ज, कटरा करम सिह, भ्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)
- कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख अंद स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति जो कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 21 अप्रैस 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, पठानकोट में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीखा : 28 नवम्बर 1974 । मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रम्तसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनाक, 28 नवस्वर 1974

निर्देण सं० ए० एस० ग्रार० जासंधर/ए० पी०-1390/74-75----यत मुझे, बी० श्रार० सागर,

भ्रायकर स्राधिनियम, 1961 (1961 का

- 43) की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धाँर उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी स०धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1027 प्रप्रैल 1974 लिखा है जो बस्ती णेख जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण प्रिधिकारी के कार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 1974 ग्राप्रैल
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य सं उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 प्यारा सिंह, दलीप सिंह, जसवत सिंह, चरण सिंह पुल बंधावा सिंह वासी डब्ल्यू० पी० 245, बस्ती शेख, जालंधर। (श्रन्तरक)

- 2. श्रोम प्रकाश पुत्र गोपाल दास पुत्र हवेली राम प्रो० **यूनाईट** टूल्ज कारपोद्दशन बस्ती शेख, जालधर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि त० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह न्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीफरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

बरना जेसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1027 अप्रैल 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, जालधर में लिखा है।

> वी० स्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रमृतसर ।

दिनाकः 28-11-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निद्यम् स० ए०एस०ग्रार०/जालधर/ए०पी०-1391/74-75— यतः, मुझे वी० ग्रार० सागर,श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1135 म्रप्रैल 1974 लिखा है, जो बस्ती शेख जालधर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुम्नी मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण थ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्र<mark>प्र</mark>ौल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्या पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित **उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं** किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्री शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- पियारा सिंह, दलीप सिंह, जसवंत सिंह, चरण सिंह पुत्र वधात्रा सिंह वासी डब्ल्यू० पी०/245, बस्ती शेख, जालंधर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रोम प्रकाश पुत्र गोपाल दास पुत्र हवेली राम, प्रो० यूनाईटड टुल्ज कार्पोरेशन बस्ती शेख, जालंधर । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में भिज रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतवृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1135 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, जालधर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर ।

दिनांक . 28-11-1974

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक

श्चिपत्र

सं० एफ० 15-1-74-ई० I (बी) :—भारत के राजपत्न दिनांक 29 जून,1974 में प्रकाशित भारतीय प्रर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा 1975 के नोटिस में निम्नलिखित संशोधन किये जायें :—

- 1. पृष्ठ 3901 कालम II की पहली पंक्ति में 'को' के बाद निम्नलिखित ग्रंश जोड़ा जाय :— "ग्रावेदन करना चाहिये । निर्धारित श्रावेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण एक रूपया देकर ग्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राणि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को"
- 2. पृष्ठ 3904 कालम I में उल्लिखित नोट की 11 वीं पंक्ति "श्रंतिम" शब्द के स्थान पर "अनिन्तम" पढा जाए ।
- 3. पृष्ठ 3905 कालम 11 की पांचवीं लाइन '20' के स्थान पर '25' पढ़ा जाय।

- पृष्ठ 3905 II दूसरे पैरे की तीसरी लाइन --- 'संबद्ध, के स्थान पर 'संसद' पढ़ा जाए ।
- 5. पृष्ठ 3905 कालम II मद (iii) की (ख) की ग्रन्तिम पंक्ति - '1968' के स्थान पर '1963' पढ़ा जाए।

एन० बी० माथुर, ग्रयर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग

शुद्धि-पत

भारत के राजपन्न दिनांक 26-10-1974 में प्रकाशित नेशनल डिफ़ेस एकेडेमी परीक्षा, मई, 1975 के नोटिस में निम्नलिखित संशोधन पढ़ा जाए :—

पृष्ठ 6332-ई पर पैरा (iii) के नीचे नोट की दसवीं पंक्ति में ''अन्तिम'' के स्थान पर ''अनन्तिम'' पढ़ा जाए । (टी० डी० जोणी) अवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जनवरी 1975

शुद्धिपत्र

सं० एफ० 9/4/74-ई० I (बी०) :—भारत के राजपक्ष दिनांक 19-10-74 में प्रकाशित सम्मिलित डिफेंस सर्विस परीक्षा श्रप्रैल 1975 के नोटिस में निम्नलिखित संशोधन पढ़ा जाए :—

ऋम सं०	सन्दर्भ	<u>, प्रशुद्ध</u>	गुद्ध
2. पृष्ठ (617-	3173 कालम II मद 9 के दूसरे पैरे की 11 वीं पंक्ति 3173 कालम IJ उपावध 1 की तीसरी पंक्ति श्रौर पृष्ठ 4 कालम J मद 3 की तीसरी पंक्ति श्रौर पृष्ठ 6175		"ग्रनुशंसित" होना चाहिये । "जन" होना चाहिये ।
	ा । श्रंतिम नोट की तीसरी पंक्ति 6175 कालम II उप मद (ii) के तीसरे पैरे की दूसरी	"मूरयु" छपा है ।	"म्रायु" होना चाहिये ।
4. ਸੂ ਵਠ (6177 कालम I उप मद (iii)	"एवेन्यु" छपा है ।	''रेवेन्यु'' होना चाहिये ।
5. ਧ ਾਣ (6178 कालम Iमद II की छठी पंक्ति।	"पी० द्यार० डब्स्यू" छपा है ।	''पी० फ्रार० डब्ल्यु I'' होना चाहिये।

टी० <mark>डी० जोशी,</mark> श्रवर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th December 1974

No. A.32011/5/74-Admn.III.—Consequent on his having been appointed as Section Officer (Special), Shri K. L. Katyal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission and officiating as Section Officer in the same cadre, relinquished charge of the office of Section Officer w.e.f. the forenoon of 11-11-74.

The 13th December 1974

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 21st October 1974, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 22-10-74 to 3-12-74 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.llI.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 39 days from 12-11-74 to 20-12-74 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 14-10-74 to 30-11-74 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this offic notification of even number dated 21st October 1974, the President is pleased to appoint Shri K. L. Katyal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-11-74 to 11-11-74 (F.N.).

No. A.32014/1/74-Admn.III,—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 8-7-74 to 26-12-74 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 26th August 1974, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 3 months from 27th September 1974 to 26th December 1974 of until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.111.—In continuation of this office notification of even number dated 28th August 1974, the President is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 3rd October 1974 to 26th December 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated 28-5-74, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 23-6-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 21st October 1974, the President is pleased to appoint Shri B. T. Khubchandani, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 27-10-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the

service for a period of 48 days from 14-10-74 to 30-11-74 or until further orders, which is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. Incharge of Administration, Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 20th December 1974

No. A.32013/1/74-Admn.i.—Shri A. N. Sinha, an officer of the Indian Revenue Service working as Under Secretary in the Union Public Service Commission is appointed to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission from 18-11-74 to 28-2-75.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 18th December 1974

No. F-16016 2/74-Ad.I.—On transfer on deputation Shri Satyendra Singl, Assistant of the Ministry of Finance (Department of Expenditure), Defence Division, New Delhi, has assumed the charge of the post of Section Officer, Central industrial Security Force HQrs., New Delhi with effect from the afternoon of 30th November 1974.

No. E-32015(1)/8/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Lt. Col. T. K. George as Commandant, 10th Battalion/Central Industrial Security Force with Headquarters at Visakhapatnam, on re-employment, with effect from the afternoon of 18th November 1974, until further orders vice Shri C. P. Ramakrishnan who, on transfer to M.A.P.P., Kalpakkam, relinquished the charge of the said post on the afternoon of the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 26th December 1974

No. F. 4/2/73-Estt.(CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following Dy. Ss. P. (Coy Commanders Quarter Masters) as Assistant Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and the dates of handing taking over charge are indicated against each :--

S. No.	Ŋ	Jamo	2			·		Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
1. Shri Tilak Ra	j .				ı		,	Dy. S.P. 14th Bn	. 5-11-74 (AN)	Asstt. Comdt, GC NMH	15-11-74 (FN)
2. Shri V. P. Sa	rin .							Dy. S.P. 54th Bn.	22-10-74 (AN)	Asstt. Comdt. 28th Bn.	27-10-74 (FN)
3. Shri Parshota	m Kumar	•					,	Dy. S.P. 50th Bn.	12-11-74 (AN)	Asstt. Comdt. 25th Bn.	16-11-74 (FN)
4. Shri N. K. Vi	j .			•	•	•		Dy. S.P. 21st Bn.	8-11-74 (AN)	Asstt. Comdt. 34th Bn.	10-11-74 (AN)

S. N. MATHUR, Assistant Director (Adm.)

FORM ITNS----

(2) M/s Satluj Rice & General Mills through Shri Kewal Krishan c/o M/s Behari Lal Kewal Krishan Jain, Shahkot

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amiitsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1380/74-75.—Whereas. I. V. R. SAGAR.

being the Competent Authority unde section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 118 of April, 1974 structed at Shahkot (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac', 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahkot in April 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that 'he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of apparent consideration and that the consideration for transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Shri Natinder Pal Singh s/o Sutjit Singh s/o Kartar Singh, r/o Shahkot.

(Transferor)

(a) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 118 of April, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

> V. R. SAGAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Form ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1383/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 496 of April, 1974, situated at Basti Bawa Khel, Jullundur (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Kartar Singh Uppal s/o Jiwan Singh s/o Sant Singh r/o Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Dayal Singh s/o Ujagar Singh s/o Dittu r/o V. Nagar, Juliundur.
 - (Trasnferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right of be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 496 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Rcf. No. ASR/JUL/AP-1384/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under section 269B of the (ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 54 of April, 1974, situated at Mota Singh Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sardari Lal Puri s/o Pindi Dass s/o Maya Mal Green Park Colony, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Madan Lal, Kasturi Lal ss/o Kishan Chand Chhabra r/o Mandi Road, Jullundur.

 (Trasnferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 54 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

Seal:

12-416GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-1385/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 472 of April, 1974, situated at Batala West,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in April 1974,

at Batala in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

(1) Iqbal Chand s/o Khushal Chand r/o Bouli Inderjeet, Batala.

(Transferor)

(2) Krishan Lal s/o Haveli Ram r/o Batala c/o M/s. Shining Star Foundry, G.T. Road, Batala. Dalip Singh s/o Bhagat Singh c/o M/s. Shining Star Foundry. Batala.

(Trasuferer

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the heating of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 472 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th October 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1386/74-75.—Whereas, I, V. R.

being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 748 of April, 1974. situated at Chak Husain Lama Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974.

tor an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferea(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, as mely: namely:-

(1) Darshan Lal s/o Walaiti Ram Kapurthala. Lal Chand s/o Puran Chand Mohalla Charanjit Pura, Jullu**n**dur.

(Transferor)

- (2) Bimla Devi Khanna Wd/o Shri Om Parkash Khanna s/o Shri Atroo, Mohalla Subash Nagar, Jullundur. (Trasnferee)
- (3) As at No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication vas vd (a) of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 748 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1387/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 151 of April, 1974, situated at Nawan Shehr,

at Nawan Shehar in April 1974,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) The Satluj Laud Finance (P) Ltd., Jullundur (Through Shri Amar Nath Gautam).

(Transferor)

(2) Bawa Singh s/o Hukam Singh, Santokh Singh Makkhan Singh, Nachhtar Singh ss/o Bawa Singh r/o Raipur Daba.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Persin(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(5) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 151 of April, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1381/74-75.—Whereas, I. V. R. SAGAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1029 of April. 1974, situated at Link Road, Nakodar Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Lajpat Ray s/o Puno Lal s/o Gurditta Mal Kalu Ram s/o Asa Nand s/o Buda Mal Kishan Singh s/o Vljay Singh of Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Kumar s/o Ram Parshad s/o Ram Saran Dass of Jullundur City.

 (Trasnferce)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) n occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1029 of April, 1974 of the Registering Authority. Jullundur.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-(ISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1388/74-75.—Whereas, I, V. R. AGAR.

sing the competent authority under section 269B of the Inome-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe 181 the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Io. Land as mentioned in the Registered Deed No. 226 of april. 1974, situated at Khatkar Kalan,

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in April 1974,

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the ransferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Ujagar Singh s/o Ram Chand r/o Khatkar Kalan.
(Transferor)

(2) Pritam Singh s/o Ganda Singh Paramjeet Singh s/o Pritam Singh r/o Thandian.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 226 of April, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1382/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 639 of April, 1974, situated at Dada Colony, Jullundur, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Pal Dada s/o Diwan Chand Dada, Tanda Road, Jullundur GA of Piara Lal Sat Pal ss/o Shri Diwan Chand c/o Dharam Pal Dada.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Wali w/o Chuni Lal Bimla Rani w/o Balram c/o M/s Parkash Rubber Industries, Industrial Area, Jullundur.

(Trasnferee)

- (a) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Propertyl.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 639 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1389/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 747 of April, 1974, situated at Udham Singh Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in April 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Kewal Dass s/o Attar Singh c/o M/s Attar Singh Bodh Raj Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferor)

(2) Amar Nath Ahuja s/ Sahib Ditta Ahuja 112 Lajpat Rai Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 132 Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 747 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1390/74-75.--Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1027 of April, 1974, situated at Basti Shejkh, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Piara Singh, Dalip Singh, Jaswant Singh Charan Singh ss/o Wadawa Singh r/o WP/245, Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Om Parkash s/o Gopal Dass s/o Haveli Ram, Prop : United Tools Carporation, Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1027 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal:

13-416GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Rcf| No. ASR/JUL/AP-1392/74-75.—Whereas, T, V. R. SAGAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 706 of April, 1974, situated at Basti Sheikh, Jullundur,

(and more fully des_

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely .—

(1) Charan Dass s/o Ladha Ram 110 Chowk Sodhan, Jullundur.

(Transferor)

(2) China Ram s/o Jwala Dass (Behind the New Cinema) Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 706 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1393/74-75.—Whereas, I, V. R.

being the Competent Authority under

section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 112 of

April 1974, situated at V. Wadala,

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-tion and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Dilbag Singh 9/0 Udham Singh GA for Smt. Kamaljit Kaur d/o Dilbagh Singh Amarjeet Kaur d/o Dilbagh Singh & Smt. Paramjeet Kaur d/o Dilbagh Singh 300-L Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s S. J. Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana, through Sham Singh, Managing Director and Inderjit Singh Gujral, Director.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Persin(5) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that eyery person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 112 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Amritsar.

28-11-1974 Date:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1394/74-74.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 311 of April, 1974, situated at Barnala Kalan,

at Nawan Shehar in April 1974, (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawan Shehar in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any neomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Tripta Rani w/o Prem Lal Nawan Shehar. (Transforor)
- (2) Smt. Chander Kanta w/o Raj Kumar Nawan Shehar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persin(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom

notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 311 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1395/74-75.--Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 113 of April, 1974, situated at Nagara at Jullundur in April 1974.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as new dead, resistered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald property as aforesald the apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesald believe that the fair market value of the property as aforesald. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Jamiat Singh s/o Jawala Singh s/o Jarnail Singh r/o Nagara.

(Transferor)

(2) M/s S.I. Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country (b) by any Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 113 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritaar.

Date : 28-11-1974

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th October 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1399/74-75.--Whereas I, V. R. Sagar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 168 of April 1974 situated at V. Reru Teh. Jullundur.

(and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the caccalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Lajya Wati wd/o Ram Narayan s/o Dharam Chand, EF-19 r/o Mandi Fantonganj, Jullundur.

- (2) Shri Deedar Singh s/o Hari Singh. s/o Prem Singh r/o V. Harsi Pind Teh. Daşuya District Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within \$5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 168 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal:

(Transferor)

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th October 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1400/74-75,—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 324 of April, 1974 situated at Lidran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Arjan Singh s/o Chanda Singh s/o Hakam Singh, r/o V. Lidran, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumari Thamman w/o Hans Raj Thamman, 323 Lajpat Nagar, Jullundur, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

, Land as mentioned in the Registered Deed No. 324 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of come-Intax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-11-1974

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th October 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1401/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 378 of April, 1974 situated at Jullundur (Industrial Area) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Sheela Wati w/o Shri Mangal Singh s/o Natha Ram, WB 7 Mohalla Khajoora, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tara Singh s/o Jawahar Singh s/o Jetha Singh, NB 291, Luzxipura, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l.and as mentioned in the Registered Deed No. 378 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income--tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF J'HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1402/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 415 of April, 1974 situated at Khurla Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registerior officer at Juliudus in Acril 1974

gistering officer at Jullundur in April, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagit Singh s/o S. Ralla Singh s/o Basawa Singh, V. Jandu Singh, Teh. Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Singh s/o Dr. Karm Singh s/o Raja Singh r/o 4 Model Town, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 415 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal:

14-416GI/74

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Artitsar, the 25th November 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1404/74-75.—Whereas, I.

V. R. Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 508 of April, 1974 situated at V. Nagra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Jacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Arjan Singh, Jamiat Singh s/o Jawala Singh, s/o Jaimal Singh self & GA for Hukami Devi Wd/o Jawala Singh r/o Nagra.

(Transferor)

(2) M/s S I, Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a light to be heard at the bearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 508 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 25-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1205/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 753 of April, 1974 situated at Dana Mandi, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mohinder Pal alias Janender Pal Jain s/o
Rekhab Dass s/o Labhu ram
r/o 19-D Kidar Building, Sabzi Mandi, Delhi.
for self and GA of (i) Smt. Luxami Devi
wd/o Rekhab Dass (ii) Laxmi Devi Plabhati Devi
alias Prabha Devi ds/o Rekhab Dass.
(iii) Tirlok Chand and Laft Prashad
ss/o Rekhab Dass.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Mohan Lal r/o EJ 241 Chahar Bagh, Jullundur, (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 753 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1406/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 754 of April, 1974 situated at Dana Mandi, Jullundur, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Art, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in April, 1974 for an

officer at Jullundur in April, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mohinder Pal alias Janender Pal Jain s/o Rekhab Dass s/o Labhu Ram r/o 19-D Kidar Building, Sabzi Mandi, Delhi. for self and GA of (i) Smt. Luxami Devi wd/o Rekhab Dass (ii) Laxmi Devi Prabhati Devi alias Prabha Devi ds/o Rekhab Dass. (iii) Tirlok Chand and Laft Prashad ss/o Rekhab Dass.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Wati d/o Dewa Chand s/o Charanji Ram, r/o EJ 241 Chahar Bagh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 754 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1407/74-75.--Whereas, I.

V. R. Sagar.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 752 of April, 1974 situated at Dana Mandi, Jullundur (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) by any of the person interested in the said immovmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the followwing persons, namely:-

(1) Mohinder Pal alias Janender Pal Jain 8/0 Rekhab Dass s/o Labhu ram r/o 19-D Kidar Building, Sabzi Mandi, Delhi. for self and GA of (i) Smt. Luxmi Devi wd/o Rekhab Dass (ii) Laxmi Devi Prabhati Devi alias Prabha Devi ds/o Rekhab Dass. (iii) Tirlok Chand and Laft Prashad sa/o Rekhab Dass.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal s/o Kundan Lal s/o Chhajoo Ram Broker Mandi, Fanton Ganj Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transefree of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is gvien under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 752 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> V. R. SAGAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1409/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land as mentioned in the registered Deed No. 554 of April, 1974, situated at Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur. in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfor; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, pamely:—

- (1) Shri Jassa Ram s/o Shri Attar Singh s/o Wasanda Ram c/o Attar Singh Bodh Raj, Sabzi Mandi, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Kuldip Singh, Amarjit Singh, Pritpal Singh s/o Sarup Singh s/o Ganga Singh, EM 180 Civil Lines, Juliundur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 129 Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 554 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/PKT/AP-1411/74-75.—Wheaeas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 19 of April, 1974 situated at Mission Road, Pathankot (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in April, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely.

 Shri Harbhajan Singh s/o Amolak Singh s/o Karam Singh r/o Mission Road, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Baldey Raj Kalra s/o Ram Rakha Mal c/o M/s R, L. Baldev Raj, Dhangu Chowk, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 19 of April, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1412/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1243 of April, 1974 situated at Balsachander, Amritsar.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Teja Singh s/o Rattan Singh r/o Bal Sachander Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Puran Kaur d/o Mangal Singh r/o Bal Sachander Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heared at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1243 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1413/74-75.--Whereas, I, V. R. SACAR, being the competent

authority under section 269B of the Income-tax Act,

1961, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 177

of April, 1974, situated at Prem Nagar, Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Baldev Raj 8/0 Amar Nath 8/0 Dhani Ram Smt. Sita Rani w/o Baldev Raj s/o Amar Nath r/o. Phagwara.

(Transferor)

(2) Satnam Singh, Amrrik Singh ss/o Darshan Singh r/o Jamalpur Teh. Phagwara.

(Trasnferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable pro-perty will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transforce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 177 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 214 of April, 1974 situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Biden Chand s/o Uma Chand self & GA of Smt. Kishna Thakur w/o Shri Uma Chand & S/Shri Atul Chand & Bimal Chand ss/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar.
- (2) Smt. Surinder Kaur d/o S. Mohan Singh V. Bichi Wind Teh. Ajnala & Shri Raiinder Singh s/o S. Mehar Singh, Rani Bagh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 214 of April 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSTT. COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1417/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 211 of April, 1974 situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

(1) Shri Biden Chand s/o Uma Chand self & GA of Smt. Kishna Thakur w/o Shri Uma Chand & S/Shri Atul Chand & Bimal Chand c/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Dal Singh s/o Rattan Singh V. Mattia Teh. Ajnala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 211 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/PKT/AP-1414/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of

1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 147 of April. 1974, situated at Dhangu Road, Pathankot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pathankot in April 1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid-property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Gian Wati w/o Kishori Lal Sud s/o Lachhman Dass r/o R.B. Jodha Mal Colony, Dhangu Road, Pathankot.

(Transferor)

(2) S/Shri Gaggan Singh, Madan Singh, Ajai Singh ss/o Kirpal Singh c/o M/s G.K. Timber Supply Co., Dhangu Road, Pathankot.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 147 of April, 1974 of the Registering Authority, Pathankit.

V. R. SAGAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Seal -

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/PKT/AP-1415/74-75.—Whereas I, V, R, SAGAR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 140 of April, 1974 situated at Saingarh, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Pathankot in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Dewan Chand s/o Munshi Ram s/o Lachhaman Dass c/o M/s. Dewan Chand Shiv Saran Dass Puri, Gurdaspur Road, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Jatinder Nath s/o Khazan Chand Mahajan c/o M/s. Janta Boot House, Gandhi Chowk, Pathankot,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 140 of April, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Amritar

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1418/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 212 of April, 1974 situated at Court Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Biden Chand s/o Uma Chand self & GA of Smt. Kishna Thakur w/o Shri Uma Chand & S/Shri Atul Chand & Bimal Chand ss/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar. (Transferor)

- (2) Shri Rajinder Singh s/o Mehar Singh Rani Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 212 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No ASR/AP-1419/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed Nos. 214, 211 & 212 of April, 1974 situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under, the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Biden Chand s/o Uma Chand self & GA of Smt Kishan Thakur w/o Shri Uma Chand & S/Shri Atul Chand & Bimal Chand ss/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt, Surinder Kaur D/o S, Mohan Singh V. Bichi Wind Teh, Ajnala & Rajinder Singh s/o Mehar Singh, Rapi Bagh, Amritsar, Shri Dal Singh s/o Ratten Singh V. Mattia Teh, Ajnala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, Person(s) in occupation of the Propertyl.
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 214, 211 & 212 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1420/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 36 of April, 1974 situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at
Amritsar in April 1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I nave reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri S. Pritpal Singh, Superintending Engineer (Elec.) s/o Lt. Col. S. Amar Singh, 24 Mall Road, Amritsar through Shri Amar Singh s/o Asa Singh, 24 The Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Dr. Gurcharan Singh Kalra s/o S. Sahel Singh, 12 Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 36 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1421/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 37 of April, 1974 situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Pritpal Singh, Superintending Engineer (Elec.) s/o Lt. Col. S Amar Singh, 24 The Mall Road, Amritsar through Shri Amar Singh s/o Asa Singh, 24 The Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Balwant Kaur w/o S. Gurcharan Singh Kalra, 12 Ajit Nagar, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 37 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tas,
Acquisition Range, Amribase

Date: 28-11-1974,

Scal:

16-416GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1422/74-75.--Whereas I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 25,000%, and hearing No.

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th of plot No. 66 Rani Ka Bagh. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 155 of April, 1974 situated at Rani Ka Bagh. Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Amritsar in April 1974

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfree(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Ind'an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sabodh Kumar, Ranvir, Vijay, Satish SS/o Shri Hans Raj, Vidya Wati Wd/o Shri Hans Raj, Om Kumari, Prem Kumari & Moti Ds/o Shri Hans Raj, 16, G.T. Road, Amritsar through Shri Sabodh Kumar.

(Transferor)

(2) Shri Bril Mohan s/o Kishore Chand through Shri Kishore Chand, Putlighar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Plot No. 66, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 155 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref., No. ASR/AP-1423/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/4th of plot No. 66 Rani Ko Bagh, Asr as mentioned in the Reg.stered Deed No. 156 of April, 1974 situated at Rani Ka Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid proper'y and I have reason to believe that the fair market va'ue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely.—

(1) Shri Sabodh Kumar, Ranvir, Vijay, Satish SS/o Shri Hans Raj, Vidya Wati Wd/o Shri Hans Raj, Om Kumari, Prem Kumari & Moti Ds/o Shri Hans Raj, th ough Shri Sabodh Kumar, 16, G.T. Road, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Sham Sunder s/o Shri Kishore Chand through Shri Kishore Chand, Putlighar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 d ys from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Plot No. 66 Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 156 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amri.sar

Date: 28-11-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1424/74-75,---Whereas I. V. R.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th of Plot No. 66, Ratti Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 157 of April, 1974 situated at Rani Ko Bagh.

situated at Rani Ka Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritaar in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by the.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;-

(1) Shri Sabodh Kumar, Ranvir, Vijay, Satish SS/o Shri Hans Raj, Vidya Wati Wd/o Shri Hans Raj, Om Kumari, Prem Kumari & Motl Ds/o Shri Hans Raj, 16, G.T. Road, Amritsar through Shri Sabodh Kumar. 16 G. T. Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Shri Kishore Chand through Shri Kishore Chand, of Putlighar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said-immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same (43 of meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Plot No. 66 Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 157 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar,

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1425/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th of plot No. 66, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 158 of April, 1974 situated at Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income erising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) Shri Sabodh-Kumar, Ranvir, Vijay. Satish Ss/o Shri Hans Raj, Vidya Wati Wd/o Shri Hans Raj, Om Kumari, Prem Kumari & Moti Ds/o Shri Hans Raj, 16, through Shri Sabodh Kumar, G.T. Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar 8/0 Shri Kishore Chand, through Shri Kishore Chand, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or 8 period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Plot No. 66 Rami Ka Bagh, Amritsar as men-tioned in the Registered Deed No. 158 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1428/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 161 of

April, 1974 situated at V. Chachoki (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of tering Officer at

Phagwara in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri L. Pishori Lal Chadha s/o L. Barket Ram Phagwara Attorney of Shri Parshotam Lal brother, Phagwara.

(Transferor)

(2) M/s. Hayer Electrical Co., 2 Industrial Area. G.T. Road, Phagwara.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objection, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisit on of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land as mentioned in the Registered Deed No. 161 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1426/74-75.—Whereas I, V, R.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 66 Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deeds Nos. 155, 156, 157 & 158 of April, 1974 situated at Rani Ka Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sabodh Kumar, Ranvir, Vijay, Satish Ss/o Shri Hans Raj, Vidya Wati Wd/o Shri Hans Raj, Om Kumari, Prem Kumari & Moti Ds/o Shri Hans Raj, 16, through Shri Sabodh Kumar, G.T. Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Brij Mohan, Sham Sunder, Raj Kumar, Ashok Kumar Ss/o Shri Kishore Chand Shri Kishore Chand, Putlighar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 66 Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deeds Nos. 155, 156, 157 & 158 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1430/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 802 of April, 1974 situated at Phorliwala, Nakodar Road, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdip Singh Sangha s/o Chanan Singh r/o Kadian.

(Transferor)

- (2) M/s. Panjab Cold Storage, Jullundur Nakodar Road, Jullundur.
 - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested to the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by anw of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land as mentioned in the Registered Deed No. 802 April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur,

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritan.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1427/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value erc-eding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 179 of April, 1974 situated at Chachokri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Phagwara in April 1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Pishori Lal Chadha s/o Bharat Ram GA of Parshotam Lal r/o Phagwara,

(Transferor)

- (2) M/s. Sukhwindra Industries, 2 Industrial Area, G.T. Road, Phagwara through Shri Harbhajan Singh r/o 68-B Model Town, Phagwara, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 179 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Seal

17-416GI/74

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1432/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 898 of April, 1974 situated at V. Pholriwala, Nakodar Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiana Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Sant Lal s/o Ram Chand r/o H. No. 86, EO Saidan Gate, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Punjab Cold Storage, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 898 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1433/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 802, 803 & 898 of April, 1974 situated at V. Pholariwala, Nakodar Road, Juliundur

Nakodar Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdip Singh Sangha s/o Chanan Singh r/o Kadian, Gurdev Singh s/o Jagir Singh r/o Chitti Sant Lal s/o Ram Chand r/o H. No. 86/EO Saidan Gate, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Panjab Cold Storage, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfere of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 802, 803 & 898 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1434/74-75.—Whereas 1, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 200 of April, 1974 situated at Pritam Bagh, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Amar Nath s/o Labhu, Amar Kaur w/o Amar Nath r/o Old Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Inder Singh Sandhu, Squadron Leader s/o Shri Pritam Singh r/o Pritam Bagh, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As et S. No. 2 above,
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 200 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1435/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 187 of April. 1974 situated at Phagwara Garbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Telu Ram s/o Ram Dass r/o Phagwara.
 (Trans.eror)
- (2) Shri Madan Mohan Shastri s/o Durga Dass S/Shri Shiv Jayant, Uma Jayant Vinod Kumar ss/o Shri Madan Mohan of Vill Bhanohi Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Amy person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 187 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1436/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 140 of

April, 1974 situated at G.T. Road, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Phagwara in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

1. Shri Ganesha Singh s/o Gurdit Singh s/o Jawala Singh r/o Village Chachrari, Teh. Phillaur. (Transferor)

2. Shri Gurdev Bains s/o Karam Chand s/o Gurditta Ram r/o Bhanoki, Teh. Phagwara.

(Transferee)

- 3. As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- 4. Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 140 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1437/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 78 of April, 1974 s tuated at G.T. Road, Phagwara

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Phagwara in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferee for the purpose of the Indian the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for Initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons pamely:—

 Smt. Satnam Kaur wd/o Shri Mohan Singh Bharmara r/o V. Hadiabad, Phagwara.

(Transferor)

 Smt. Sundri Devi w/o Shri Lal Chand c/o National Foundary & Engg. Works, G. T. Road, Phagwara.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 78 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1438/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR,

beling the competent authority under section 209B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 47 of April, 1974 situated at Chachoki

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Lachhman Singh Kehar Singh ss/o Nand Singh r/o Chachoki, Phagwara.

(Transferor)

 Shri Jagat Singh s/o Gurdit Singh s/o Hakam Singh of V. Roorka, Teh. Phillaur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 47 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1439/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 48 of April, 1974 situated at V. Chachoki

Phagwara in April 1974,

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Lachhman Singh, Kehar Singh ss/o Nand Singh r/o Chachoki, Phagwara.

(Transferor)

 Shri Milkha Singh s/o Gurdit Singh of V. Roorka, Teh. Phillaur.

(Transferce)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shell have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 48 of April. 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal:

18-416GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amiltsar the 28th November 1974

Ref. No ASR/Phg/AP-1440/74-75.—Whereas I, V. R. Sas ar.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land is mentioned in the Registered Deed No. 153 of April, 974 situated at Phagwara Garhi,

(and r ore fully described in the Schedule annexed hereto), has be a transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwa a in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to b tween the transferor(s) and the transfe ee(s) has not been trule stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the corscealment of any income if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

1 Shri Hazara Ram 3/o Diwan Chand, V. Bhanoki, Teh. Phagwara

(Transferor)

Shri Sarwan Singh s/o Bhagat Singh r/o Ranipur, Teh. Phagwara.

(Transferee)

- 3. As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- 4. Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 153 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-11-1974

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1441/74-75,....Whereas I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1013 of April, 1974 situated at V. Jandu Singha, Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Om Parkash Joshi s/o Ram Lal Joshi s/o Ralla Ram r/o Jandu Singha, Teh. Jullundur (Transferor) Shri Rajeshwar Singh, Ranbır Singh, Jang Buhadur Singh ss/o Major Om Parkash & Sneh Lata w/o Shri Rajeshwar Singh r/o 196, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- 3. As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- 4. Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall lave a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1013 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1442/74-75.—Whereas 1, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1035 of April, 1974 situated at Basti Bawa Khel, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:--

1. Shri Tejinder Singh Uppal s/o Jiwan Singh s/o Sant Singh r/o Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

- M/s Land and Investment Corporation, near Old Bus Stand, G. T. Road, Juliundur through Shri Om Parkash Sapra, Managing Director. (Transferee)
- 3. As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- 4. Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1035. of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> V. R. SAGAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1443/74-75.--Whereas I, V. R. Sapier

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1047 of April, 1974 situated at Ladowali Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Ram Lubhaya s/o Nathu Ram s/o Karam Chand r/o Hoshiarpur Road, Jullundur.

(Transferor)

 Shri Harbhajan Singh Jabbal, Jagjit Singh ss/o Mohinder Singh, Gali No. 8, Central Town, Jullundur.

(Transferee)

- 3. As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- 4. Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1047 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1444/74-75.—Whereas J, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the April, 1974 situated at Ladowali Road, Jullundur Income_tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1052 of April, 1974 situated at Ladowali Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Ram Lubhaya s/o Nathu Ram s/o Karam Chand r/o Hoshiarpur Road, Jullundur.

(Transferor)

Shri Makhan Singh, Surınder Singh ss/o Mohinder Singh r/o Gali No. 8, Central Town, Jullundur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1052 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1445/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 1047 & 1052 of April, 1974 situated at Ladowali Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Ram Lubhaya s/o Nathu Ram s/o Karam Singh r/o Hoshiarpur Road, Jullundur,

(Transferor)

 Shri Harbhajan Singh Jabbal, Jagjit Singh Makhan Singh, Sunnder Singh ss/o Shn Mohinder Singh, Gali No. 8, Central Town, Jullundur.

(Transferce)

- 3. As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- 4. Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 1047 & 1052 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Inceme-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-12-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1447/74-75.—Whereas, I. V. R. SAGAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

door No situated at No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1151

of April, 1974, situated at V. Reru. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Iullundur in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any incomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Darshan Singh s/o Buja Singh alias Budha Singh r/o Model Town, Jullundur through GA Sri Dewan Chand s/o Dasondhi Ram Property dealer, G.T. Road, Jullundur.
 - (Transferors)
- (2) Harbars Singh Toor s/o Baldev Singh and Subedar Sarwan Singh s/o Arajn Singh r/o Civil Lines, Near New Courts, Juliundur,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same mean ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1151 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

> V. R. SAGAR, Competent Authodity, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

28-11-1974 Date:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1446/74-75,-Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land as mentioned in tre Registered Deed No. 1149 of April, 1974, situated at V. Reru (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as p deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferoe(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: 19-416GI/74

(1) Darshan Singh s/o Buja Singh alias Budha Singh r/o Model Town, Juliundur through GA Sri Dewan Chand s/o Dasondhi Ram Property dealer, G. T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Harbans Singh Toor s/o Baldev Singh and Subedau Sarwan Singh s/o Arajn Singh r/o Civil Lines, Near New Courts, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee. (b) by any

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection (A).

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1149 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur

V. R. SAGAR.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1448/74-75.--Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 149 of April, 1974, situated at 6 A Model Town Phagwara,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of

registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Phagware in April 1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferece(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Babu Ram s/o Lorluda Ram r/o Phagwara.
(Transferor

(2) Darshan Singh s/o Bhagwan Singh caste Int r/o Naurangshahpur.

(Transferee)

- (3) A₅ at S. No. 2 above. [Person(a) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knowks to be interested in the propertyl.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazettee.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 149 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsai, the 28th November 1974

No ASR/Phg/AP-1449/74-75.—Whereas, I, V.R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in

Registered Deed No. 150 of April, 1974, situated at 6-A Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of of the Registering Officer at

Phagwara in April, 1974,

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

- (1) Shri Prem Singh s/o Budh Singh r/o Hadiabad. (Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Singh s/o Bhagwan Singh caste Jat r/o Naurangshahpur. (Transferce)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to his notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 150 of April, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritaar

Date > 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/AP-1450/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 717 of April, 1974, situated at G. T. Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbans Singh, Jaswant Singh es/o Amar Singh, Tarn Taran District Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s. Prosco Enterprises, G. T. Road, 4 Fields through Shri M. S. Sekhon, Prop.(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 717 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974.

Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/BTD/AP-1451/74-75.—Whereas, I, V.R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 377 of April, 1974, situated at Parshu Ram Nagar, Bhatinda (and more fully described

in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apaernt consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Madan Lal Sharma c/o Everest Pharmaceutical, Parsu Ram Nagar, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Jas Kaur Singh c/o Everest Pharmacoutical, Parsu Ram Nagar, Bhatinda (Transferce)
- (3) As at S No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as.

are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the

same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 377 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritant

Date :28-11-1974. Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/BTD/AP-1452/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 376 of

April, 1974, situated at Parshu Ram Nagar, Bhatinda,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1974,

for an apparent consideration which is les than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor, and the transferce has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal Sharma c/o Everest Pharmaceutical, Parshu Ram Nagar Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdev Singh c/o Everest Pharmaceutical, Parshu Ram Nagar, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As at S No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 376 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date 28-11-1974

Soni :

No.

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

45R/BTD/AP-1453/74-75 —Whereas, I, V. R.

SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 375 of April, 1974, situated at Parshu Ram Nagar, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisiton of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

 Shri Madan Lal Sharma c/o Everest Pharmaseutical, Parsu Ram Nagar, Bhatinda.

(Transferor)

 Shri Rajınder Kaur c/o Everest Pharmaceutical, Parshu Ram Nagar, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As at S No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 375 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CAMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar, the 28th November 1974

ASR/BTD/AP-1454/74-75 --- Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 312 of April, 1974, situated at B-2, Civil Station, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhatinda in April, 1974, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been "truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:--

- (1) Shra Nachhatar Singh Advocate s/o Shri Hardial Singh, Phool, (Transferor)
- (2) Shil Manohar Singh s/o Ajmer Singh & others, B-2, Civil Station, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As at S, No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette Or a from the service of notice period of 30 days on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 312 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974. Seel.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CAMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/BTD/AP-1455/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as men'ioned in the Registered Deed No. 618 of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bhatinda in April, 1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforeacid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

20--416G1/74

(1) Shri Hari Ram s/o Raja Ram, Sirki Bazar, Bha-tinda.

(Transferor)

- (2) Shri Joginder Pal s/o Shivjit Ram, Bhatinda, Gian Chand s/o Shri Tilak Rai etc., P.O. Bhatinda, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 618 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974. Seel.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CAMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/BTD/AP-1456/74-75.--Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 616 of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Bhatinda in April, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Banarsi Dass s/o Raja Ram, Sirki Bazar, Bhatinda. (Transferor) (2) Shri Joginder Pal s/o Shivji Ram, Glan Chand S/o Tilak Ram, etc., P.O. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 616 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CAMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/BTD/AP-1457/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under section
269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Land as mentioned in the Registered Deed No. 614 of April,
1974, situated at Mall Road, Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed herto), has
been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Bhatinda in April, 1974,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:

- (1) Shri Darshan Kumar s/o Raja Ram, Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Joginder Paul s/o Shivji Ram, Post Office Bazar, Bhatinda.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person with has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 614 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CAMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

No. ASR/BTD/AP-1458/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 613 of April, 1974, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1974, situated at Mall Road, Bhatinda

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash s/o Raja Ram, Bhatinda.
(Transferor)

- (2) Shri Joginder Pal s/o Shivji Ram, Post Office Bazar, Bhatinda.
 - (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above,
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person (3) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 613 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date :28-11-1974.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1459/74-75,-Wrereas, I. V. R. SAGAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrd as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 16 of 1908 in the office of Registering Office. at Bhatinda in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Darshan Kumar Sirki Bazar Bhatinda. (Transferor)

- (2) Bhoj Raj 8/0 Harjas Rai, Sadar Bazar, Bhatinda.
 (Transferee)
- (a) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land as mentioned in the Registered Deed No. 780 of April. 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritser.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE LA.C. OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Rei. No. ASR/BTD/AP-1460/74-75.—Whereas, I. V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 779 of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in April 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ni respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shi Benarsi Dass s/o Raja Ram Sirki Bazar, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Bhoj Raj Hospital Road, Bhatinda.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 779 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1461/74-75,—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 778 of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Kumar s/o Hari Ram Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Shri Bhoj Raj s o Harjas Rai, Sadar Bazar, Bhatinda.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in tht Registered Deed So. 778 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1462/74.75---Wrereas, I. V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 777 of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in April 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Ram s/o Raja Ram Sirki Bazar, Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Shri Bhoj Raj s/o Harjas Rai, Sadar Bazar, Bhatinda.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 777 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1463/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. I and as mentioned in the Registered Deed No. 776

of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-tering Officer at Bhatinda in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shii Ved Parkash s/o Hari Ram Bhatinda. (Transferor) 21-416GI/74

- (2) Shri Bhoj Raj s/o Harjas Rai, Sadar Bazar, Bhatinda. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(*) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

ΓΧΡΙΛΝΑΤΙΟΝ :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 776 of April, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda,

V. R. SAGAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR,

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1464/74-75.—Whereas, 1, V. R.

SAGAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 775

of April, 1974, situated at Mall Road, Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afotesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) 1957),

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shri Hukam Chand s/o Hari Ram Sirki Bazar, Bhatindafl

(Transferor)

(2) Shri Bhoj Raj s/o Harjas Rai etc., Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property],
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property],

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 775 of April. 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) of the INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/PKT/AP-1465/74-75.--Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed of April, 1974, situated at Dhangu Road, Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the transferor(s) and the transferee(s)

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Bakshi Gulam Deen s/o Ajmal Gafar Deen Mehmuda Bakshi w/o Mohd. Yusuf Bakshi Ghulam Hassan Bakshi s/o Hazi Gulam Nabi Hazi Nurud-deen s/o Abdul Ghani Abdul Aziz s/o Habibulha Abdul Ghani s/o Haji Nur Deen Ghulam Mohd. & Mohd. Shafi ss/o Moh. Abdullah Ghulam Rasul s/o Ghulam Nabi Mohd. Sayeed s/o Mariudeen through Mohd. Yusuf s/o Hazi Nur Deen c/o Regal Cincma, Srinagar.

(Transferor)

(2) Ramesh Bhatia s/o Roshan Lal Bhatia s/o Tara Chand c/o M/s. Tara Chand Bhatia & Sons, Katra Karam Singh, AmrIlsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 21 of April, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date . 28-11-1974. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/PKT/AP-1466/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 20 of April, 1974, situated at Dhangu Road, Pathankot, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any ircome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Bakshi Gulam Deen s/o Ajmal Gafar Deen Mehmuda Bakshi w/o Mohd. Yusuf Bakshi Ghulam Hassan Bakshi s/o Hazi Gulam Nabi Hazi Nurud-deen s/o Abdul Ghani Abdul Aziz s/o Habibulha Abdul Ghani s/o Haji Nur Deen Ghulam Mohd. & Mohd. Shafi ss/o Moh. Abdullah Ghulam Rasul s/o Ghulam Nabi Mohd. Sayeed s/o Mariuldeen through Mohd Yusuf s/oHazi Nur Deen c/o Regal Cinema. Srinagar.

(Transferor)

Hari Kıshan s/o Roshan Lal c/o M/s. Tara Chand Bhatia & Sons, Katra Karam Singh Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 20 of April, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/JUL AP-1403/74-75,—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25 900/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 504 of April, 1974, situated at Mota Singh Nagar, Jullundur, (and more tuily described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating preceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Gurdav Singh s/o Natinder Singh s/o Santa Singh r/o 223-R Model Town, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Kehar Singh s/o Dharam Singh s/o Sham Singh r/o Nakodar, V. Mallian.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the picceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mestioned in the Registered Deed No. 504 of April. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1391/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land as mentioned in the Registered Deed No. 1135 of April, 1974, situated at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: namely :-

(1) Piara Singh, Dalip Singh, Jaswant Singh Charan Singh ss/o Wadawa Singh r/o WP/245, Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Om Parkash s/o Gopal Dass s/o Haveli Ram, Prop: United Tools Corporation, Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1135 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1397/74-75,—Whereas, I. V. R. SAGAR.

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 156 of April, 1974, situated at Industrial Area, Juliundur, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Jullundur in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Naranjan Dass s/o Sirl Ram c/o N. H. Steel & Metal Works, Preet Nagar Jullundur.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of S-19 Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the faoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 156 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th October 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1398/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar,

being the competent authority under

section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. property as mentioned in the Registered Deed No. 157 of April, 1974 situated at Industrial Area, Jullundur.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Harbans Lal s/o Shri Siri Ram, c/o N.H. Steel & Metal Works, Preet Nagar, Jullundur,

(Transferor)

- Joginder Nath s/o Shri Mohan 1 al c/o New Metal Works, S-19 Industrial Area, Jullundur,
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in the occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 157 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref No. ASR/Phg/AP-1429/74-75.—Whereas 1. V.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2 of

April, 1974 situated at G.T. Road, Phagwara (Vill. Chachoki)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1974 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the asoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome of facilitating the conceament of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely the namely :-

(1) Shri Bachan Singh s/o Didar Singh s/o Devia r/o Chachoki Teh Phagwara

(Transferor)

(2) M/s. Gurbax Finance (P.) Ltd., Banga Road, Phagwara through Shri Sadhu Singh, Managing Director.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested to the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respactive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Expressions—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2 of April 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Sear .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1431/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 803 of April, 1974 situated at Pholriwala, Nakodar Road, fullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as

per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdev Singh s/o Jagir Singh r/o Chitti.
 (Transferor)
- (2) M/s. Panjab Cold Storage, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property!

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing and objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chaptar XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 803 of April, 1974 of the Registering Authority. Jullandur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

CORRIGENDUM

In notice, u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961, No. IAC/Acq.II/785/74-75/2601 dated 10th September, 1974 published in Part-III Section 1 of the Gazette, the names of the transferor and the transferce should be read as under:—

Name & address of the transferor: Shri Bhupendar Kumar Chaudhary S/o Shri Roshan Lal Chaudhary, R/o 94-E, Kamla Nagar, Delhi-7.

Name & address of the transferee: Smt. Urmil Jain w/o Shri R. K. Jain, r/o 23/5, Kala Bhawan, Shakti Nagar, Delhi-7.

> C. V. GUPTE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Oated: 26th Dec. 1974.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Amendment to the Notice for the Indian Economic Service I Indian Statistical Service Examination 1975.

New Delhi-110011, the January 1975

No. F. 15/1/74-E.I(B).—In the U.P.S.C. Notice No. F. 15/1/74-E.I(B) dated 29th June, 1974, relating to the Indian Economic Service/Indian Statistical Service Examination. 1975 published in the Gazette of India dated 29th June, 1974, the following amendments shall be made:—

(i) In line 2 of item (vi) of para 3, of Annexure II to the Notice the word 'fee remission' shall be substituted for the word 'fee Commission'.

- (ii) In line 3 of para 3(iv) of Annexure II to the Notice the words "one of which" shall be substituted for the word "one each of which".
- (iii) In lines 5-6 of para 3(iv) of Annexure II to the Notice the Words "and the first page of the attestation form respectively" shall be deleted and the word "the remaining two copies" shall be substituted for the words "third copy".

N. B. MATHUR, Under Secy. Union Public Service Commission.

Amendment to the Notice for the National Defence Academy Framination, May, 1975.

New Delhi-110011 one January 1975

No. 1:.8/3/74-E.1(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. 1:.8/3/74-E.1(B). dated 26th October, 1974, relating to the National Defence Academy Examination, May, 1975 published in the Gazette of India, dated 26th October, 1974, the following amendments shall be made:—

- (i) In line 1 of para 1 of the Notice the figures "1-10-74" shall be substituted for the figures "10-1-74"
- (ii) In line 2 of para 9 of the Notice the word and figure "May, 1974" shall be substituted for the word and figure 'May, 1975'.
- thi) In line 3 of item (1) of para 3, of Annexure II to the Notice, the words "Each Postal Order should invariably be crossed as shown below;" shall be incorporated after the words (i) CROSSED Indian Postal Orders for the mescribed fee—

T. D. JOSHI, Under Secy. Union Public Service Commission